सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 254 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, शनिवार 27 जून 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

बदल रहा है बस्तर : नक्सलियों के गढ़ रहे जगरगुण्डा तक पहुंचने वाली पहली महिला मंत्री बनी लक्ष्मी राजवाड़े

श्रीकंचनपथ समाचार

सुकमा। परिवर्तनशील बस्तर की तस्वीर को और सशक्त करने महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े एक दिवसीय प्रवास पर सुकमा जिले के जगरगुंडा, चिंतलनार, पूर्वर्ती और सिलगेर पहुंचीं।

श्रीमती राजवाड़े सड़क मार्ग से जगरगुंडा पहुंचने वाली पहली महिला मंत्री बनीं। वर्षों तक नक्सली हिंसा से प्रभावित रहे इस क्षेत्र में उनका आगमन विकास और शासन की संवेदनशील उपस्थिति का प्रतीक बनकर उभरा।

दौरे के दौरान मंत्री ने पूवर्ती एवं सिलगेर स्थित आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण किया तथा अन्नप्राशन और गोदभराई कार्यक्रमों में शामिल हुईं।

उन्होंने कहा कि जो क्षेत्र कभी असुरक्षा और हिंसा के कारण चर्चा में रहते थे, वो आज महिला स्वावलंबन, शिक्षा, पोषण और सामाजिक विकास के केंद्र बन रहे हैं।

मंत्री ने कृतिका महिला संकुल स्तरीय संगठन भवन का लोकार्पण भी किया। उन्होंने स्व सहायता समूह की महिलाओं से संवाद कर उनकी आजीविका, स्वरोजगार और आर्थिक गतिविधियों से जुड़े विषयों पर विस्तार से चर्चा की तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार बस्तर के अंतिम छोर तक विकास की रोशनी पहुंचाने के संकल्प के साथ कार्य कर रही है।

खास-खबर

मंत्री ने शहीद एएसआई के परिवार से साझा की भावनाएं

सुकमा। महिला, बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने जगरगुंडा स्थित शहीद एएसआई रामू राम नाग के निवास पहुंचकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रीमती राजवाड़े ने शहीद की माताजी से उनका कुशलक्षेम जाना। उन्होंने कहा कि शहीदों का बलिदान प्रदेश और देश की अमूल्य धरोहर है तथा उनके परिवारों का सम्मान और संरक्षण शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने अधिकारियों को शहीद परिवार की सामाजिक एवं आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए शहीद की माताजी के लिए अंत्योदय राशन कार्ड तत्काल जारी करने के निर्देश दिए।

7 दिन झमाझम के आसार : बिजली गिरने का भी अलर्ट

रायपुर। मौसम विभाग ने शनिवार के लिए कई जिलों में भारी बारिश और बिजली गिरने का अलर्ट जारी किया है। मानसून प्रदेश का करीब 80 प्रतिशत हिस्सा कवर कर चुका है। 3 से 4 दिनों में राज्य के बाकी हिस्सों को भी कवर कर लेगा। आने वाले 7 दिनों तक प्रदेश में लगातार बादल बरसेंगे और गरज-चमक बनी रहेगी। अगले दो दिन लगातार होने वाली इस बारिश से उमस से राहत मिलेगी और मौसम पूरी तरह बदल जाएगा। तापमान की बात करें तो बिलासपुर में सबसे अधिक 39.1 डिग्री, जबकि पेंड्रा रोड में सबसे कम 23.8 डिग्री न्यूनतम तापमान रहा।

छात्रा को किया बैड-टच, शिक्षक को सुनाई 5 साल की सजा

महासमुंद। नाबालिग छात्रा के साथ अशोभनीय हरकत और बैड टच करने के मामले में फास्ट ट्रैक कोर्ट ने आरोपी शिक्षक को पांच वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने माना कि आरोपी ने गुरु-शिष्य के पवित्र रिश्ते का गंभीर दुरुपयोग किया। अपर सत्र न्यायाधीश मोनिका जायसवाल की अदालत ने आरोपी शिक्षक गणेशराम चंद्राकर को पॉक्सो अधिनियम के तहत पांच वर्ष सश्रम कारावास और एक हजार रुपये के अर्थदंड लगाया। जुर्माना जमा नहीं करने पर तीन माह का अतिरिक्त सश्रम कारावास भुगतना होगा।

सोशल मीडिया में ईशु को बताया देवी-देवताओं का पिता

रायपुर। सोशल मीडिया पर वायरल एक कथित वीडियो को लेकर हिंदू संगठनों ने कड़ा विरोध जताया है। संगठनों का आरोप है कि, विशेष समुदाय से जुड़े एक सोशल मीडिया अकाउंट द्वारा प्रसारित वीडियो में ईशु को हिंदू देवी-देवताओं से ऊपर दर्शाने का प्रयास किया गया है। कथित वीडियो में भगवान शिव और भगवान विष्णु द्वारा ईशु को अपना 'पिता' बताए जाने जैसे दावे किए गए हैं। हिंदू संगठनों का कहना है कि, इस तरह की सामग्री धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली है।

नारायणपुर के पुनर्वास केन्द्र पहुंचे उपमुख्यमंत्री शर्मा और वनमंत्री कश्यप

गृहमंत्री ने पुनर्वासित युवाओं से की सोशल मीडिया की भ्रामक खबरों से बचने की अपील

श्रीकंचनपथ समाचार

नारायणपुर। उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने पुनर्वासित युवाओं से सोशल मीडिया पर फैल रही भ्रामक खबरों से बचने की अपील की है। उन्होंने कहा कि पेसा अधिनियम को और सशक्त बनाया जा रहा है। बस्तर के जनप्रतिनिधि आदिवासी समाज से हैं और क्षेत्र के विकास के लिए निरंतर प्रयासरत हैं।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा नारायणपुर प्रवास के दौरान पुनर्वास केंद्र पहुंचकर पुनर्वासित युवाओं से संवाद कर रहे थे। वन एवं पर्यावरण मंत्री केदार कश्यप भी उनके साथ रहे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में पेसा अधिनियम को और प्रभावी बनाया जा रहा है। उन्होंने युवाओं से शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में सहभागी बनने का आह्वान भी किया।

मंत्रियों ने युवाओं से पुनर्वास केंद्र में मिल रही सुविधाओं, प्रशिक्षण और रोजगार की संभावनाओं पर चर्चा की और उन्हें विकास की मुख्यधारा में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया।

गृह मंत्री श्री शर्मा ने युवाओं से कहा कि वे जेल में बंद अपने पूर्व साथियों से मिलकर उन्हें भी पुनर्वास योजना का लाभ लेने और समाज की मुख्यधारा से जुड़ने के लिए प्रेरित करें। विकास और शांति का रास्ता ही बस्तर के उज्ज्वल भविष्य का आधार है।

श्री शर्मा ने युवाओं से आधार कार्ड, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, बैंक खाते सहित अन्य जरूरी दस्तावेजों और शासकीय सुविधाओं की उपलब्धता के बारे में पूछा। कौशल विकास प्रशिक्षण की भी जानकारी ली। महिलाओं द्वारा मोटर वाहन ड्राइविंग का प्रशिक्षण लेकर आत्मनिर्भर बनने के प्रयासों को भी सराहा। उन्होंने कहा कि शासन का उद्देश्य हर पुनर्वासित युवक-युवती को सम्मानजनक जीवन और आत्मनिर्भर बनने के लिए सभी सुविधाएं देना है।

वन एवं पर्यावरण मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम से लेकर बस्तर के निर्माण तक आदिवासी समाज का योगदान महत्वपूर्ण रहा है। अब समय बस्तर को शांति, विकास और समृद्धि की नई दिशा देने का है।

पुनर्वासित युवाओं ने अपनी जरूरतों से भी मंत्रिद्वय को अवगत कराया जिसपर तत्काल आवश्यक निर्देश दिए गए।

26 दिन में सोना 13,000, चांदी 39,000 रुपए सस्ती

रायपुर। सराफा बाजार में लगातार गिरावट से सोना 26 दिनों में करीब 13 हजार रुपए सस्ता हो चुका है, जिससे अब 24 कैरेट सोने का भाव 1.42 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी 2.40 लाख रुपए प्रति किलो पर आ गई है। डॉलर की मजबूती और वैश्विक तनाव कम होने से दाम घटे हैं, जिसके बाद कम कीमत पर गहने खरीदने के लिए बाजारों में लोगों की भीड़ बढ़ गई है।

यूट्यूबर्स पर दूसरा एफआईआर; 2 लाख नहीं दिए तो महिला के तीन वीडियो किए थे वायरल

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से जुड़े कथित इंस्टाग्राम चैट विवाद में फंसे 2 यूट्यूबर्स सागर साहू और पुष्पराज सिंह के खिलाफ एक महिला की शिकायत पर पुलिस ने ब्लैकमेलिंग और उगाही का दूसरा एफआईआर दर्ज किया है।

भिलाई-3 में ग्राहक सेवा केंद्र चलाने वाली पीड़िता नेहा शर्मा का कहना है कि यूट्यूबर्स ने पहले 50 हजार मांगे। 35 हजार रुपए देने के बाद विवादित वीडियो हटा भी दिया। लेकिन फिर से 2 लाख रुपए की डिमांड की। रकम नहीं देने पर तीन और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया।

नेहा ने बताया कि वह पिछले 5 सालों से गांव में ग्राहक सेवा केंद्र चलाती है। 25 जून को उसने पुरानी भिलाई थाने में शिकायत दर्ज कराई।

अबूझमाड़ में जंगलों का सफाया, नजूल भूमि कब्जाने की होड़

श्रीकंचनपथ समाचार

नारायणपुर। नक्सलवाद के उन्मूलन के बाद अबूझमाड़ के जंगलों में अवैध कब्जे की होड़ लग गई है। लोग न केवल भूमि पर कब्जा कर रहे हैं बल्कि बड़े पैमाने पर जंगलों का सफाया भी कर रहे हैं। वजह - घने जंगलों और माओवादियों की उपस्थिति के कारण यहां कभी राजस्व सर्वे पूरा नहीं हो पाया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार जंगल के भीतर लोग बड़े पैमाने पर सरकारी जमीन पर कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं। अवैध कटाई को रोकने के लिए राजस्व, वन विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम बनाई गई है।

कलेक्टर नम्रता जैन के अनुसार संयुक्त टीम के साथ सरपंचों को भी जोड़ा गया है। इसके अलावा एसडीएम को गांव-गांव जाकर ग्रामीणों से संवाद करने तथा पेड़ों के संरक्षण के लिए जागरूक करने के निर्देश दिए गए हैं।

कौन सी जमीन किसकी

अबूझमाड़ के जंगल और जमीन का सर्वे होने के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि कौन-कौन सी जमीन किस-किस विभाग की है। जमीन का सर्वे पूरा होने के बाद ही राजस्व और वन विभाग अपनी-अपनी कार्रवाई कर सकेंगे।

छत्तीसगढ़ में भी ताजा बियर बनाने तथा परोसने-पिलाने का रास्ता साफ

रायपुर (केपीएन)। कर्नाटक, महाराष्ट्र, हरियाणा, पंजाब और गोवा के बाद अब छत्तीसगढ़ सरकार ने भी फ्रेश क्राफ्ट बीयर बनाने और परोसने का रास्ता खोल दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार इन्हें माइक्रो ब्रूअरी में तैयार किया जाएगा। सरकार का मानना है कि इससे होटल-रेस्टोरेंट कारोबार को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही सरकार की आय भी बढ़ेगी। माइक्रो ब्रूअरी में सीमित मात्रा में ताजा बीयर तैयार की जाती है और उसे उसी परिसर में मौजूद रेस्तरां या ग्राहकों को परोसा जाता है। बेंगलुरु को देश की 'क्राफ्ट बीयर कैपिटल' माना जाता है। छत्तीसगढ़ में लाइसेंस फीस 10 लाख रुपए होने की खबर है। एमबी खोलने के लिए 4 हजार वर्गफीट जगह की जगह जरूरी होगी।

क्या होता है क्राफ्ट बीयर

क्राफ्ट बीयर छोटे बैच में तैयार की जाती है, इसलिए इसके स्वाद, गुणवत्ता और ताजगी पर ज्यादा ध्यान दिया जाता है। इसमें बेहतर गुणवत्ता वाले माल्ट, हॉप्स और अन्य प्राकृतिक सामग्री का इस्तेमाल होता है। यही वजह है कि इसका स्वाद सामान्य फैक्ट्री में बनने वाली बीयर से अलग होता है। इसमें अलग-अलग फ्लेवर भी मिलते हैं और इसे ताजा परोसा जाता है।

शिक्षकों को नहीं दे सकते प्रशासनिक कार्य : हाईकोर्ट

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने स्कूल शिक्षा विभाग से जुड़े एक अहम मामले में बड़ा फैसला सुनाते हुए स्पष्ट कर दिया है कि शैक्षणिक संवर्ग के शिक्षकों को प्रशासनिक पदों की जिम्मेदारी नहीं दी जा सकती। अदालत ने एक व्याख्याता को ब्लॉक शिक्षा अधिकारी का प्रभार देने संबंधी राज्य सरकार के आदेश को नियमों के विपरीत मानते हुए निरस्त कर दिया। रवि कुमार गौतम की नियुक्ति वर्ष 2015 में प्रशासनिक संवर्ग के पद पर हुई थी और जुलाई 2025 से वे प्रभारी ब्लॉक शिक्षा अधिकारी के रूप में कार्य कर रहे थे।

आंधी व बिजली से 16 लोगों की मौत उत्तराखंड में घर-स्कूल में घुसा मलबा

नई दिल्ली (ए.)। देश के 6 राज्यों उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, पंजाब, हिमाचल प्रदेश और हरियाणा के कई इलाकों में प्री-मानसून बारिश जारी है। हालांकि, छह राज्यों में तेज गर्मी भी हो रही है।

उत्तर प्रदेश, राजस्थान और हरियाणा में पारा 42 डिग्री से ज्यादा दर्ज किया गया।

बालाघाट में शुक्रवार को बिजली गिरने से 4 लोगों की मौत हो गई, जबकि आठ लोग झुलस गए। देवास में बालकनी का हिस्सा गिर गया, जिसमें 2 महिलाओं की मौत हो गई।

झारखंड में बिजली गिरने से 10 और छत्तीसगढ़ में दो लोगों की मौत हो गई। उत्तराखंड के चमोली में देर रात हुई मूसलाधार बारिश के बाद बादल फटने जैसी घटना हुई, जिससे स्कूल, 8 बड़ी गाड़ियां, एंबुलेंस और मकानों में मलबा घुस गया है।

छत्तीसगढ़ के 15 माननीयों पर क्रिमिनल केस

बिलासपुर (केपीएन)। छत्तीसगढ़ में जनप्रतिनिधियों से जुड़े लंबित आपराधिक मामलों की सुनवाई पर अब न्यायिक निगरानी और तेज हो गई है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के तहत हाईकोर्ट ने वर्ष 2026 की स्टेटस रिपोर्ट जारी करते हुए प्रदेश की विशेष एमपी-एमएलए अदालतों में चल रहे मामलों की समीक्षा की है। रिपोर्ट के अनुसार राज्य के 15 से अधिक वर्तमान और पूर्व सांसदों तथा विधायकों के खिलाफ 20 से ज्यादा आपराधिक प्रकरण विचाराधीन हैं। हाईकोर्ट ने जनप्रतिनिधियों से जुड़े मामलों का जल्द निपटारा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

दिव्यांग बेटे ने पीट-पीट कर की मां की हत्या, पिता भी घायल

कोरबा (केपीएन)। जमीन बंटवारे के विवाद ने एक दिव्यांग बेटे ने पीट-पीट कर अपनी मां को मार डाला। इसपर भी उसका गुस्सा ठंडा नहीं हुआ तो उसने पिता पर भी लाठी बरसाई और उसे घायल कर दिया। घटना उरगा थाना क्षेत्र के ग्राम चीतापाली की है।

उरगा थाना प्रभारी एसआई नवीन पटेल से मिली जानकारी के अनुसार चीतापाली निवासी श्याम लाल यादव के दो बेटे हैं। बड़ा बेटा पत्नी-बच्चों के साथ कोरबा शहर में रहता है। घर में श्याम लाल, उनकी पत्नी जानकुंवर और छोटा बेटा रामकुमार रहते थे। रामकुमार दिव्यांग है और लाठी के सहारे चलता है। वह लंबे समय से जमीन का बंटवारा चाह रहा था, लेकिन माता-पिता अभी बंटवारा नहीं करना चाहते थे।

शुक्रवार रात करीब 9-10 बजे रामकुमार ने फिर से बंटवारे की बात उठाई। मना करने पर दोनों के बीच विवाद बढ़ गया। रामकुमार ने लाठी से मां जानकुंवर के सिर पर जोरदार वार कर दिया। जानकुंवर की मौके पर ही मौत हो गई। आरोपी ने पिता श्याम लाल पर भी लाठी बरसाई, जिससे वो घायल हो गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया और आरोपी को ग्राम अंजोरीपाली से गिरफ्तार कर लिया।

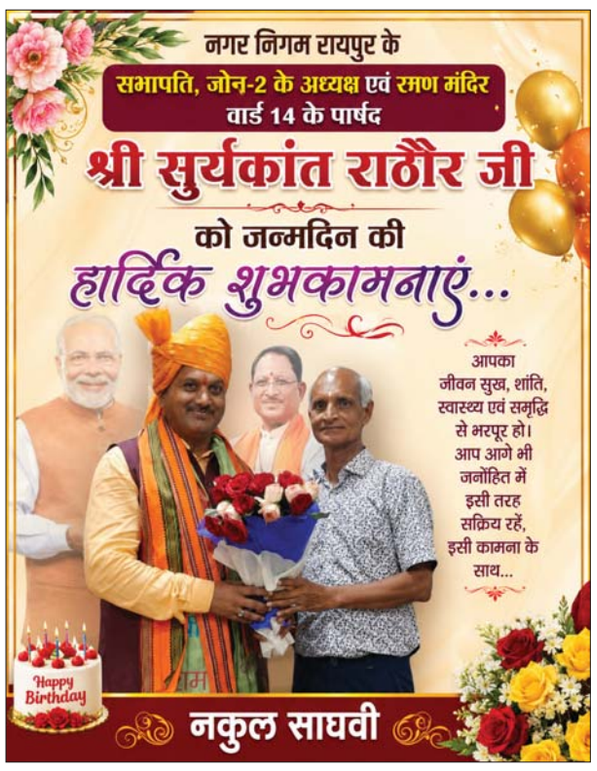

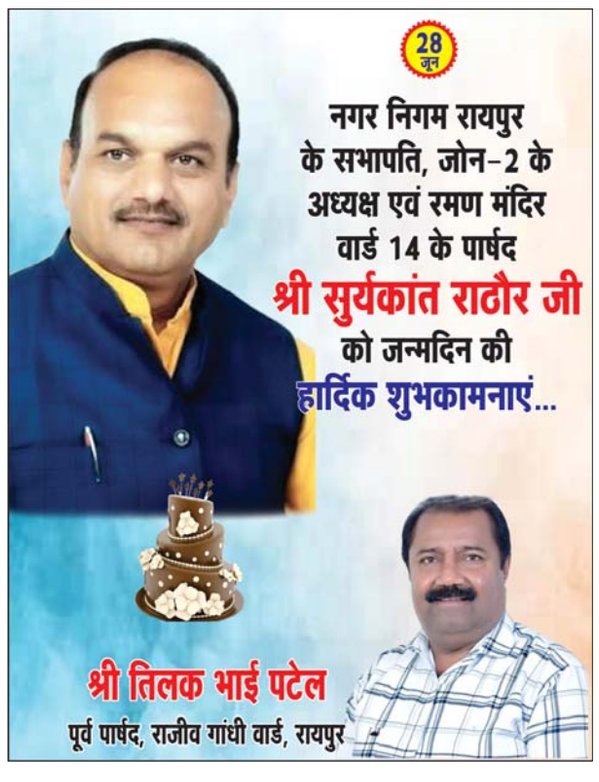

संपादकीय

आस्था से छल

चढ़ावे की चोरी के दोषी बख्शे न जाएं

अयोध्या में राम मंदिर में भक्तों द्वारा दिए दान और कीमती सामान की हेराफेरी की घटनाओं ने देश-विदेश के रामभक्तों को विचलित किया है। कभी आमजन में कहा जाता था कि 'भगवान से डर', लेकिन पैसे की हवस देखिए कि मंदिर प्रबंधन से जुड़े चंद लोगों ने भगवान के घर में चोरी करने में कोई डर महसूस नहीं किया। ये प्रबंधन व व्यवस्था की पारदर्शिता की खोट तो है ही, मानवीय मूल्यों के पतन की पराकाष्ठा भी है कि मंदिर में चढ़ावे की देखरेख को तैनात लोग ही चोरी-चकारी में लिप्त हो जाएं। इस मामले में विपक्ष के तीखे हमले और जनाक्रोश के बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने मामले की जांच के लिए आनन-फानन में एसआईटी गठित की, रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंपी, प्राथमिकी दर्ज की और वीरवार को प्रबंधन से जुड़े आठ कर्मचारियों की गिरफ्तारी भी हो गई। लेकिन अपने आराध्य राम के चढ़ावे की चोरी से आहत भक्तों के जख्मों पर शायद तभी मरहम लगेगी, जब दोषियों को सख्त सजा दी जाएगी। निश्चित ही यह चोरी का प्रकरण भाजपा व संघ को परेशान करने वाला है। उस राजनीतिक दल के लिये, जिसके कभी दो सांसद हुआ करते थे और राम मंदिर की मुहिम से हासिल जनसमर्थन से केंद्र व तमाम राज्यों में उसकी सरकारें बनी हैं। खासकर, भाजपा के लिए यह मुद्दा परेशानी का सबब हो सकता है क्योंकि राम जन्म भूमि वाले प्रदेश में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। जिस मुद्दे को लेकर भाजपा राज्य की सत्ता में आती रही है, उस मुद्दे पर विपक्ष हमलावर होगा। निस्संदेह, इस प्रकरण से राम भक्तों की आस्था को गहरी चोट तो पहुंची है। सवाल राम मंदिर ट्रस्ट की नाकामी पर भी उठेंगे कि उसने समय रहते इस चोरी को क्यों नहीं पकड़ा। बेहतर होता कि दोषियों के खिलाफ ट्रस्ट की तरफ से स्वत: प्राथमिकी दर्ज करके कार्रवाई की जाती। सवाल पूछा जा सकता है कि आखिर क्यों ट्रस्ट चंदे की रकम का हिसाब-किताब विश्वसनीय तरीके से नहीं रख पाया।

> "इस मामले में विपक्ष के तीखे हमले और जनाक्रोश के बाद उत्तर प्रदेश सरकार ने मामले की जांच के लिए आनन-फानन में एसआईटी गठित की, रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंपी, प्राथमिकी दर्ज की और वीरवार को प्रबंधन से जुड़े आठ कर्मचारियों की गिरफ्तारी भी हो गई। लेकिन अपने आराध्य राम के चढ़ावे की चोरी से आहत भक्तों के जख्मों पर शायद तभी मरहम लगेगी, जब दोषियों को सख्त सजा दी जाएगी। निश्चित ही यह चोरी का प्रकरण भाजपा व संघ को परेशान करने वाला है। उस राजनीतिक दल के लिये, जिसके कभी दो सांसद हुआ करते थे और राम मंदिर की मुहिम से हासिल जनसमर्थन से केंद्र व तमाम राज्यों में उसकी सरकारें बनी हैं।

निश्चय ही इस प्रकरण से श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की साख भी दांव पर लगी है। वह उन भक्तों की भावनाओं की रक्षा नहीं कर पाया, जिन्होंने मंदिर निर्माण से लेकर अब तक दिल खोलकर दान दिया। जब चंदा प्रबंधन से जुड़े लोगों के घर से लाखों की नकदी बरामद हुई और चोरी के पैसे से जमीन खरीदने के आरोप सामने आए तो भक्तों की आस्था पर आंच आना स्वाभाविक ही है। आरोप सिर्फ नकदी के हेरफेर के ही नहीं लगे बल्कि कीमती गहनों को खुर्दबुर्द करने के भी लगे। वहीं प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के दौरान दान में मिली चांदी की छड़ों के गायब होने का भी आरोप है। बहरहाल, 2027 के यूपी विधानसभा चुनावों से कुछ महीने पहले सामने आए इस विवाद ने प्रदेश में राजनीतिक हलचल मचा दी है। विपक्ष जहां दोषियों पर समय रहते कार्रवाई न करने का आरोप लगा रहा है, वहीं भाजपा इन आरोपों को अयोध्या को बदनाम करने और धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने की कोशिश बता रही है। वहीं दूसरी ओर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने धैर्य रखने की अपील करते हुए कहा कि जिन भक्तों ने मंदिर निर्माण के लिए पांच सौ साल तक इंतजार किया, उन्हें एसआईटी जांच अंतिम निष्कर्ष तक पहुंचने का इंतजार करना चाहिए। उनकी दलील है कि इस शर्मनाक मामले की तह तक जाने के लिये एक पारदर्शी और समय-सीमा के भीतर होने वाली जांच बेहद जरूरी है। वहीं दूसरी ओर विपक्षी दल चंदे के रिकॉर्ड को सार्वजनिक करने और स्वतंत्र ऑडिट की मांग कर रहे हैं। उनका कहना है कि लोगों के दान और धार्मिक आस्था से जुड़े मामले में कोई समझौता नहीं किया जाना चाहिए। निश्चित रूप से यह प्रकरण देश के बड़े धार्मिक संस्थानों में चंदे के प्रबंधन में पारदर्शिता व सतर्कता की मांग करता है। चंदे का नियमित ऑडिट किया जाना, तकनीक आधारित प्रबंधन, डिजिटल ट्रैकिंग और स्वतंत्र निगरानी वाले आधुनिक सिस्टम की जरूरत को दर्शाता है। निस्संदेह, राम मंदिर भारत व विदेशों में बसे करोड़ों श्रद्धालुओं की आकांक्षा का प्रतीक है। श्रद्धालुओं का भरोसा बनाये रखने के लिये हर आक्षेप की पारदर्शिता से जांच जरूरी है।

राजनीति का बदरंग चेहरा दिखाता दल-बदल

विश्वनाथ सचदेव

दलबदल से बचने के लिए जरूरी है कि दल-बदल कानून को मज़बूत बनाया जाये। पहली ज़रूरत तो यह है कि दल-बदल करने वालों को सदन की सदस्यता से इस्तीफा देने की शर्त हो। निर्वाचित सदस्यों के दल-बदल का मतलब मतदाताओं को धोखा देना ही है। नैतिकता का तकाज़ा है कि वे दल बदलना चाहते हैं तो पद से त्यागपत्र दें।

महाराष्ट्र की उद्धव ठाकरे वाली शिवसेना फिर टूट गई है। पहले चालीस विधायकों ने बगावत की थी और अब उद्धव के छह सांसद पाला बदलकर भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गये हैं। एक को छोड़कर बाकी पांच ने यह कदम उठाने का कारण बताते हुए मूल शिवसेना की नीति-रीति का हवाला दिया है। उनका कहना है कि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने बालासाहेब ठाकरे के सिद्धांतों को तिलांजलि देते हुए कांग्रेस का साथ दिया है, जो उन्हें स्वीकार्य नहीं है। उनसे पूछा जाना चाहिए जब शिंदे के नेतृत्व में विधायकों ने उद्धव का दामन छोड़ा था, तब भी तो यही स्थिति थी। तब उन्होंने शिंदे का साथ क्यों नहीं दिया? अब भाजपा में जाने वाले इन सांसदों ने अपने इस कदम उठाने का कोई ठोस कारण नहीं बताया। हां, उद्धव ठाकरे के साथ खड़े बचे-खुचे 'शिवसैनिकों' ने यह आरोप अवश्य लगाया है कि भाजपा ने उन्हें 15 करोड़ से लेकर 50 करोड़ रुपये तक की 'रिश्वत' देकर शिवसेना को तोड़ा है।

यह पहली बार नहीं है जब दल-बदलू राजनीति का बदरंग चेहरा सामने आया है। देश में 'आयारामों-गयारामों' की एक लंबी सूची है। दल-बदलुओं की यह कथा लगभग छह दशक पहले शुरू हुई थी। कहानी अब भी जारी है। तब भी दल-बदल के पीछे कारण कोई सिद्धांत या नीति नहीं थी और अब भी दिखाई यही दे रहा है कि राजनीतिक और आर्थिक लाभ ही इस जनतंत्र-विरोधी कार्रवाई का मूल कारण है। हमारे संविधान-निर्माताओं ने शायद ही कभी सोचा होगा कि हमारे राजनेता इस स्तर तक जायेंगे, पर आज यह स्थिति एक खुली किताब की तरह सामने है। न दल बदलने वालों को शर्म आती है और न दल बदल करवाने वालों को।

हां, पिछले लगभग एक दशक से देश की राजनीति में एक नया अध्याय शुरू हुआ है- मूल्यों- सिद्धांतों को ताक में रखकर किसी भी कीमत पर राजनीतिक लाभ उठाने वाला अध्याय। भारतीय जनता पार्टी ने एक अभियान चलाया था- कांग्रेस मुक्त भारत

अभियान। सत्ता में आने के साथ ही भाजपा ने अपने इस सपने को पूरा करने की कवायद शुरू कर दी थी। और उसे कुछ सफलता भी मिलने लगी थी। पार्टी का हौसला बढ़ गया। इस हौसले के सामने सही-ग़लत कोई माने नहीं रखता था। वैसे भी राजनीति में नैतिकता के लिए कोई जगह नहीं होती, पर राजनीति के इस नये दौर में सब कुछ जायज था। इस रीति-नीति के परिणामस्वरूप 'वाशिंग मशीन' वाली राजनीति ने रंग दिखाना शुरू किया। राजनेताओं पर आरोप लगने या अपराध स्पष्ट हो जाने का कोई अर्थ नहीं रह गया था। जो हमारे साथ है वह सही है वाली यह राजनीति किसी भी कीमत पर अपने उद्देश्य को पूरा करने में विश्वास करती है। सत्ता पाना और सत्ता पर बने रहना ही जैसे राजनीति का एकमात्र उद्देश्य हो! खतरनाक है यह स्थिति और सबसे बड़ा खतरा जनतांत्रिक मूल्यों और आदर्शों पर है।

देश की राजनीति का जो अध्याय आज लिखा जा रहा है, वह सिर्फ सत्ता हथियाने की या सत्ता में बने रहने के प्रयासों की कहानी ही नहीं है, खतरे में हमारा लोकतंत्र है। यह अध्याय 'कांग्रेस मुक्त भारत' के नारे से शुरू हुआ था, अब वह 'विपक्ष मुक्त भारत' की ओर बढ़ता दिखाई दे रहा है। जिस तरह आज छोटे और क्षेत्रीय दलों को तोड़ा जा रहा है, वह जनतंत्र के लिए खतरे की घंटी है। अंग्रेजी में एक कहावत है 'लाउड एंड क्लियर' यानी पूरी तरह स्पष्ट। इसे अनदेखा या अनसुना करना जनतंत्र के प्रति अपने दायित्व से मुंह चुराना ही है। मजबूत विपक्ष जनतंत्र के औचित्य और सफलता की एक महत्वपूर्ण शर्त है। मज़बूत सरकार की तरह ही एक सुदृढ़ विपक्ष भी चाहिए होता है। कमजोर विपक्ष का मतलब होता है एक ऐसी सरकार को अवसर और छूट देना जो कभी भी तानाशाही का रास्ता अपना सकती है। आप चाहें तो इसे निर्वाचित तानाशाही कह सकते हैं। इस खतरे से बचने के लिए जागरूक मतदाता की आवश्यकता है जो जनतंत्र की सफलता में मजबूत विपक्ष की महत्ता और आवश्यकता को समझे और ऐसी किसी भी कार्रवाई के प्रति सजग रहे जो जनतंत्र को कमजोर बनाती है। आज जिस तरह छोटे राजनीतिक दलों को तोड़ा जा रहा है, उन्हें अप्रासंगिक बनाने का प्रयास हो रहा है, उससे हमारा जनतंत्र कमज़ोर ही होगा। हाल ही के दिनों में हुई दल-बदल की घटनाएं इस बात का स्पष्ट संकेत हैं कि अजनतांत्रिक ताकतें लगातार सक्रिय हो रही हैं। कुछ अर्सा पहले हमने पंजाब के आम आदमी पार्टी के सांसदों को दल-बदल करके भाजपा की शरण में जाते देखा था। फिर हमने देखा कि बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की पराजय के बाद उसके विधायकों और सांसदों ने दल-बदल करना जरूरी समझ लिया। नवीनतम उदाहरण महाराष्ट्र में टूटी हुई उद्धव ठाकरे की पार्टी को और तोड़ने का है। जैसी स्थितियां बन रही हैं, उनसे इस आशय के संकेत भी मिल रहे हैं कि टूटने-बिखरने का खतरा शरद पवार की एनसीपी को भी मिल सकता है। उत्तर प्रदेश के राज्य मंत्री इस आशय के संकेत दे रहे हैं कि अखिलेश यादव की सोशलिस्ट पार्टी पर भी डोरे डाले जा रहे हैं। बिहार में नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू की ताकत भी घटा दी गयी है और लालू प्रसाद यादव की पार्टी पर खतरे के बादल मंडरा रहे हैं।

यह सब घटनाएं बताती हैं कि किस तरह देश में विपक्ष को कमज़ोर बनाने की कोशिशें हो रही हैं। विपक्ष के कमज़ोर होने का मतलब जनतंत्र का कमज़ोर होना है और जनतंत्र कमज़ोर होता है तो तानाशाही प्रवृत्तियों को सिर उठाने का अवसर मिल जाता है।

देश में केंद्र में मज़बूत सरकार हो, यह एक अच्छी स्थिति है। इसी तरह राज्यों में सरकारें ताकतवर हों, इसमें भी कहीं कुछ ग़लत नहीं है। पर यह मजबूती और ताकत जनतांत्रिक मूल्यों और आदर्शों की कीमत पर नहीं होनी चाहिए। लोकतंत्र में मज़बूत सरकार का भी दायित्व बनता है कि वह जनतांत्रिक परंपराओं को, जनतांत्रिक मूल्यों को पनपाने के प्रति भी सावधान रहे।

स्वतंत्रता प्राप्त करने के बाद जब देश में कांग्रेस पार्टी की सरकार बनी तो संसद में विपक्ष की स्थिति बहुत कमजोर थी। कांग्रेस को 489 में से 364 सीटें प्राप्त हुई थीं। विपक्ष को मिली कुल 125 सीटों में सबसे बड़ा दल भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी थी, जिसे मात्र 16 सीटें मिली थीं। भारतीय जन संघ के हिस्से में सिर्फ तीन सीटें आयी थीं। तब देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने अपनी पार्टी के सांसदों से कहा था, चूंकि विपक्ष सदन में कमज़ोर है, इसलिए उन्हें ही विपक्ष की भूमिका भी निभानी होगी। अर्थात् सरकार के काम-काज पर नजर रखनी होगी। पहले प्रधानमंत्री का यह कथन जनतांत्रिक मूल्यों में तो उनके विश्वास और आस्था को दर्शाता ही है, यह भी बताता है कि वे जनतंत्र की सफलता के लिए ताकतवर विपक्ष की उपस्थिति को कितना ज़रूरी समझते थे।

लेकिन आज स्थिति बदल गयी है। सत्तारूढ़ पक्ष येन-केन प्रकारेण विपक्ष को कमज़ोर बनाना चाहता है। दल-बदल को बढ़ावा देने वाले 'आपरेशन लोटस' अथवा 'आपरेशन टाइगर' जैसे प्रयास यही बताते हैं। ऐसे प्रयासों को विफल बनाना ज़रूरी है, ताकि जनतंत्र जिंदा रहे।

दलबदल से बचने के लिए जरूरी है कि दल-बदल कानून को मज़बूत बनाया जाये। पहली ज़रूरत तो यह है कि दल-बदल करने वालों को सदन की सदस्यता से इस्तीफा देने की शर्त हो। निर्वाचित सदस्यों के दल-बदल का मतलब मतदाताओं को धोखा देना ही है। नैतिकता का तकाज़ा है कि वे दल बदलना चाहते हैं तो पद से त्यागपत्र दें। फिर से चुनाव लड़ें। पता नहीं दल-बदल कानून बनाते समय यह बात क्यों छोड़ दी गयी थी। अब जोड़ा जाना चाहिए इसे। पर यह होगा कैसे? जो यह कर सकते हैं, वे स्वयं दल-बदल को बढ़ावा देने वाले हैं! पर कुछ तो होना ही चाहिए। मुद्दा जनतंत्र को जीवित रखने का है!

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

फॉलोअर होना बुरा नहीं, पर अपनी राह चले लीडर है वही

रश्मि बंसल

सुबह-सवेरे एक महिला एयरपोर्ट में नाइट सूट पहने घूम रही थी। मैंने सोचा, बेचारी लेट हो गई, इसलिए जल्दी में घर से निकल पड़ी। कपड़े बदलने का टाइम नहीं मिला। लेकिन फिर मैंने देखा कि एक नहीं, अनेक महिलाएं नाइट सूट में घूम रही हैं। तो फिर मेरी बत्ती चमकी- यह कोई नया फैशन है?

'हट पगली', मेरी सहेली ने कहा, 'इसको नाइट सूट नहीं, 'कॉर्ड सूट' बोलते हैं। कहते हैं ना अंग्रेजी में को-ऑर्डिनेटेड यानी कि एक जैसा, तो शॉर्ट में को-ऑर्ड और देसी अंदाज में लोग उसे 'कॉर्ड सूट' कहने लगे।' बस, वही नाम चिपक गया और अब महिलाएं इसकी दीवानी हैं।

'मगर क्यों', मैंने सहेली से पूछा? 'जो महिला टेलर को दस हिदायतें देती है कि ब्लाउज की फिटिंग परफेक्ट चाहिए, अब वो इतने लूज कपड़ों में घूम रही है?' सहेली ने कहा, 'हां जी, यही तो कॉर्ड सूट की खासियत है। जैसे आप घर की ड्रेस में फील करते हो, वैसे ही बाहर भी फील कर सकते हो, कॉर्ड सूट पहन कर।'

है तो यह ग्लोबल ट्रेंड, मगर देशवासियों के लिए यह एक जाना-पहचाना-सा लुक भी है। आपको वो दिन याद होंगे जब एक घर में 4-6 बच्चे होना आम बात थी, तब भी तो कॉर्ड सेट ही चलते थे। मतलब एक घर के तीन भाई एक ही थान से कपड़ा खरीद कर सेम-टु-सेम शर्ट बनवाते थे।

अब इसके दो कारण हो सकते हैं। या तो सस्ता पड़ता होगा, या मां-बाप की सोच थी कि एक-सा पहनेंगे, तो बच्चों में लड़ाई कम होगी। वैसे पुराने टाइम में फोटो सिर्फ खास मौकों पर ली जाती थी, और उन दुर्लभ फोटो में बच्चे जमीन पर आलथी-पालथी मारकर बैठे हुए, एक जैसी ड्रेस में बड़े क्यूट लगते हैं।

फिर जैसे-जैसे 'हम दो, हमारे दो' का दौर चला, और फिर 'हम दो, हमारा एक' हुआ, बच्चे हमारे हाथ से निकल गए। चार साल की उम्र के बाद मां-बाप की चॉइस की हर चीज रिजेक्ट हो जाती है। यहां तक कि खुद मां-बाप भी। कोई बात नहीं सिमरन, जी ले अपनी जिंदगी- खरीद ले अपनी पसंद के ब्रांडेड कपड़े!

लेकिन अब कपड़े के थान कैसे बिकेंगे? चलो एक नया आइटम निकालते हैं- कॉर्ड सूट। आइडिया अच्छा, मगर नाक-नक्श तो नाइट सूट जैसा है, इसे एक अलग पहचान देनी होगी। जैसे घर का दही दही होता है और दुकान का दही 'योगर्ट', इसी तरह घर का पायजामा जब एटिट्यूड दिखाते हुए निकल पड़ा सैर पर, वो कॉर्ड सूट कहलाता है।

ट्रेंड कैसे बनता है? पहले कुछ सेलेब्रिटीज की फोटो छपती है, किसी नई पोशाक में। फिर वही चीज वायरस की तरह हर ऑनलाइन दुकान में बिकने लगती है। जब से अनुष्का शर्मा और कियारा आडवाणी ने हल्के गुलाबी रंग के लहंगे में शादी की, देश भर में दुल्हनें पेस्टल शेड के लहंगे में फेरे लेने लगीं।

दादी ने मन ही मन सोचा- सफेद-सफेद कपड़ों में शादी हो रही है? हे भगवान, हमारे जमाने में तो अपशगुन मानते थे। लेकिन, बच्चों की मर्जी, हम कौन होते हैं रोकने वाले? वैसे भी लहंगा किसी भी रंग का हो, शादी के शोर-शराबे के बाद लड़का-लड़की शादी निभा लें- यही भगवान से प्रार्थना है।

खैर, सोशल मीडिया के जमाने में वायरल ट्रेंड छींक से नहीं, रील से फैलती है। हर कोई अपनी फोटोज डाल रहा है बाली से, तो हम क्यों जाएं शिमला-मनाली? और छुट्टियां नाना-नानी के घर में बिताना? तौबा, स्कूल में हमारे बच्चे की नाक ही कट जाएगी।

तो बस, भेड़-चाल में शामिल होने को हम 'ट्रेंड' कहते हैं। सब लोग माचा पी रहे हैं, हम भी पीएंगे। जिस शान से वो जी रहे हैं, हम भी जीएंगे। परदे के पीछे क्या है पता नहीं। बस ड्रामा हो रहा है, हम मानते नहीं। क्योंकि अपने दिल से, अपने दिमाग से, हम जीना जानते नहीं। आखिर में यही कहूंगी कि फॉलोअर होना बुरा नहीं, मगर जो अपनी राह पर चले, लीडर है वही। फैशन कपड़ों का हो या जीने का, आंखें मूंदकर शामिल न हों। अपने ही अंदाज में, सुर और साज से, एक मुकम्मल जहां हासिल करो।

भेड़-चाल में शामिल होने को हम 'ट्रेंड' कहते हैं। सब लोग जो खा-पी रहे हैं, हम भी खाएंगे-पीएंगे। जिस शान से वो जी रहे हैं, हम भी जीएंगे। परदे के पीछे क्या है पता नहीं। क्योंकि अपने दिल से, अपने दिमाग से, हम जीना जानते नहीं।

(ये लेखिका के अपने विचार हैं)

लद्दाख की अस्मिता को निगलती पर्यटन संस्कृति

पंकज चतुर्वेदी

पर्यटन से होने वाली आमदनी का स्वागत है, लेकिन यह स्थानीय लोगों के जीवन की कीमत पर नहीं होना चाहिए। जब तक पर्यटक जिम्मेदार नहीं होंगे और प्रशासन कचरे, पानी, बिजली और वाहनों के धुएं के लिए एक एकीकृत मास्टर प्लान नहीं बनाएगा, तब तक इस नाजुक हिमालयी क्षेत्र को तबाही की तरफ बढ़ने से रोकना नामुमकिन होगा।

लेह प्रशासन बड़े गर्व से बता रहा है कि पिछले साल की तुलना में इस बार लेह-लद्दाख में 44 फीसदी अधिक पर्यटक आए। हिमालय की गोद में बसा केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख पिछले कुछ सालों में एक बड़े वैश्विक पर्यटन स्थल के रूप में उभरा है। हर साल गर्मी का मौसम आते ही यहां सैलानियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ती है। पर्यटन ने प्रदेश की आमदनी में उल्लेखनीय इजाफा किया है। लेकिन इस आर्थिक समृद्धि के पीछे एक ऐसा स्याह सच भी छिपा है, जो लद्दाख की नाजुक पारिस्थितिकी के लिए किसी गंभीर खतरे से कम नहीं है। विडंबना यह है कि जिसे कभी 'शांग्री-ला' यानी पृथ्वी का स्वर्ग कहा जाता था, वह आज अनियंत्रित पर्यटन के कारण उपजे कचरे, पानी की किल्लत, बिजली के संकट और वाहनों के धुएं से हांफ रहा है।

लेह-लद्दाख में लगभग 670 होटल बन गए हैं और इनमें से 60 फीसदी लेह शहर में हैं। चूंकि अधिकांश पर्यटक सबसे पहले लेह ही आते हैं और उन्हें कम से कम दो दिन वहीं रुकने की सलाह दी जाती है ताकि उनका शरीर वहां के परिवेश के अनुरूप खुद को ढाल सके, सो लेह पर वहां की मूल आबादी से तीन गुना बाहर से आए लोगों का बोझ सदा बना रहता है, जिनमें 50 हजार तो प्रवासी मजदूर ही हैं। जान लें इस इलाके में कहीं हरियाली दिखती नहीं। यह बर्फीला रेगिस्तान है। समुद्र तल से कोई 11 हजार फुट ऊपर बसे लेह में यहां सालाना बारिश मात्र 10 सेंटीमीटर होती है। लेह शहर में सिंधु नदी से पानी की आपूर्ति होती है लेकिन इतने सारे होटल बोरवेल पर निर्भर हैं।

लद्दाख इस समय अपने इतिहास के सबसे गंभीर जल संकट से गुजर रहा है। शीत मरुस्थल होने के कारण लद्दाख हमेशा से पानी के लिए ग्लेशियरों के पिघलने और सीमित बर्फबारी पर निर्भर रहा है। पारंपरिक रूप से लद्दाख के लोग शुष्क शौचालयों का उपयोग करते थे, जिसमें पानी की आवश्यकता नहीं होती थी। लेकिन पर्यटकों की आधुनिक सुविधाओं और होटलों की मांग के कारण पारंपरिक व्यवस्था की जगह 'फ्लश टॉयलेट' ने ले ली है। एक स्थानीय लद्दाखी जहां गर्मियों में औसतन 21

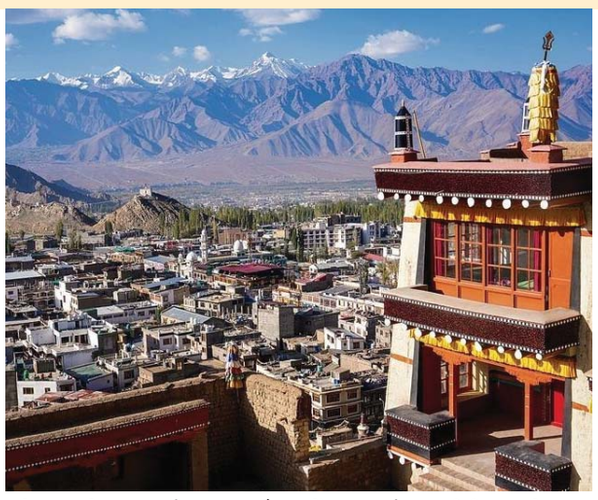

लीटर पानी का उपयोग करता है, वहीं एक पर्यटक प्रतिदिन करीब 75 लीटर पानी सोख लेता है। लेह में होटलों और गेस्ट हाउसों की संख्या तेजी से बढ़ी है, जिन्होंने पानी की भारी मांग को पूरा करने के लिए अंधाधुंध कमर्शियल बोरवेल खोद डाले हैं। इसका नतीजा यह हुआ है कि लेह का भूजल स्तर खतरनाक रूप से नीचे जा रहा है और प्रशासन को पानी की राशनिंग करने के साथ-साथ टैंकरों के जरिए जलापूर्ति करनी पड़ रही है। जलवायु परिवर्तन के कारण कम होती बर्फबारी और पर्यटन के अत्यधिक दबाव ने पानी की इस कमी को जीवन-मरण का प्रश्न बना दिया है।

दरअसल, पर्यटन बढ़ने से हिमालय के पहाड़ों पर कचरे का संकट बढ़ता है। हालांकि अभी लेह प्रशासन ने समूचे इलाके में सिंगल यूज प्लास्टिक पर पाबंदी के आदेश जारी किये हैं लेकिन अभी उसका कोई जमीनी असर दिख नहीं रहा। टूरिस्ट सीजन में लेह पर करीब 247 टन कचरे का अतिरिक्त बोझ बढ़ जाता है। म्युनिसिपल कमेटी के अनुसार सर्दियों में कचरे की मात्रा गर्मियों की तुलना में सिर्फ 25 प्रतिशत ही रह जाती है। यह समस्या तब और विकराल हो जाती है जब लद्दाख की भौगोलिक ऊंचाई और कड़ाके की ठंड इसमें अड़चनें पैदा करती हैं। यद्यपि साल 2020 में स्कम्पारी में सौर ऊर्जा से संचालित 30 टन क्षमता का वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट लगाया गया है, लेकिन शून्य डिग्री सेल्सियस से नीचे के तापमान में गीला कचरा पूरी तरह जम जाता है। अत्यधिक ठंड और ऊंचाई के कारण मजदूरों की कार्यक्षमता बुरी तरह प्रभावित होती है, जिससे कचरे की प्रोसेसिंग में देरी होने लगती है। सबसे खराब स्थिति सर्दियों में भारी बर्फबारी के दौरान होती है, जब कचरा इकट्ठा करने वाले ट्रकों की आवाजाही ठप हो जाती है।

एक तरफ बढ़ते पर्यटक हैं और फिर उनकी सुविधाओं के लिए बिजली की मांग बढ़ती है वहीं लद्दाख के पास अपनी सीमित पनबिजली और सौर ऊर्जा प्रणालियां हैं, जो इस अचानक बढ़ी मांग को पूरा करने में हांफने लगती हैं। गर्मियों में जब होटलों, रेस्टोरेंट्स और होमस्टे में पर्यटकों की भीड़ होती है, तब बिजली की मांग अपनी चरम सीमा पर पहुंच जाती है। पीक सीजन में इस कमी को पूरा करने के लिए बड़े पैमाने पर डीजल जेनरेटरों का सहारा लिया जाता है। ये जेनरेटर न केवल भारी मात्रा में ईंधन की खपत करते हैं, बल्कि लद्दाख की शांत और स्वच्छ हवा में लगातार कार्बन और कानफोड़ू शोर घोलते रहते हैं। बिजली के इस अस्थायी और प्रदूषणकारी विकल्प ने शांत वादियों के पर्यावरण को भारी नुकसान पहुंचाया है।

इस पूरे संकट में वाहनों से निकलने वाला धुआं आग में घी का काम कर रहा है। पैंगोंग त्सो, नुब्रा वैली और अन्य संवेदनशील क्षेत्रों की यात्रा के लिए हर दिन सैकड़ों डीजल चालित एसयूवी, टैक्सियां और कमर्शियल गाड़ियां लेह की सड़कों से गुजरती हैं। इन जीवाश्म ईंधन से चलने वाले वाहनों के अनियंत्रित काफिलों के कारण लेह में न केवल ट्रैफिक जाम की समस्या पैदा हो रही है, बल्कि इनसे निकलने वाला काला कार्बन (सूट) और धुआं हवा को प्रदूषित कर रहा है। यह काला कार्बन हवा में तैरकर आसपास के ग्लेशियरों पर जमा हो रहा है। ग्लेशियरों की सतह काली होने के कारण वे सूरज की रोशनी को परावर्तित करने के बजाय अधिक गर्मी सोख रहे हैं, जिससे उनके समय से पहले और तेजी से पिघलने का खतरा पैदा हो गया है। यह चक्र अंतत: लद्दाख के पूरे जल विज्ञान और जीवन चक्र को नष्ट कर सकता है।

वर्तमान परिदृश्य में लद्दाख में पर्यावरण शुल्क जैसी नीतियां भी खामियों से भरी हैं, क्योंकि यह केवल लेह से बाहर जाने वालों के परमिट पर लागू होती हैं, जबकि सिर्फ लेह आकर प्रदूषण फैलाने वाले पर्यटकों से कुछ नहीं वसूला जाता। पर्यटन से होने वाली आमदनी का स्वागत है, लेकिन यह स्थानीय लोगों के जीवन की कीमत पर नहीं होना चाहिए। जब तक पर्यटक जिम्मेदार नहीं होंगे और प्रशासन कचरे, पानी, बिजली और वाहनों के धुएं के लिए एक एकीकृत मास्टर प्लान नहीं बनाएगा, तब तक इस नाजुक हिमालयी क्षेत्र को तबाही की तरफ बढ़ने से रोकना नामुमकिन होगा।

भेड़चाल पर्यटन के दौर में ऑर्गेनिक प्रदूषण

अपने शहर में वे ट्रैफिक जाम में दूसरे वाहनों के धुएं का सेवन करते थे। हिल स्टेशन पर भी वही दिव्य अनुभव मिला। अंतर केवल इतना था कि यहां धुआं शुद्ध पहाड़ी हवा में मिलकर 'ऑर्गेनिक प्रदूषण' जैसा महसूस हो रहा था। कहते हैं, एक भेड़ जिस दिशा में चल पड़े, बाकी सारी भेड़ें भी उसी रास्ते पर निकल पड़ती हैं। इसे भेड़ियाधसान कहते हैं। लेकिन यह बेचारी भेड़ों के साथ घोर अन्याय है। सच पूछा जाए तो यह गुण भेड़ों से कहीं अधिक मनुष्यों में पाया जाता है। भेड़ तो साल में कभी-कभार झुंड बनाती है, आदमी तो रोज़ नया झुंड बना लेता है।

आज बड़ी गाड़ी खरीदने की होड़ लगी है। यह जानते हुए भी कि उसे चलना बैटरी रिक्शे के पीछे-पीछे ही है। सभी को रील बनानी है, चाहे जीवन की असली कहानी अधूरी रह जाए। हर किसी को स्टंट करना है, चाहे अगली खबर उसी की श्रद्धांजलि सभा से क्यों न शुरू हो। सोशल मीडिया ने मनुष्य को सोचने से पहले नकल करना सिखा दिया है। गरीबदास भी आखिर आदमी ही हैं। उनके भीतर भी भेड़ियाधसान का गुण कूट-कूटकर भरा हुआ है। लोगों को हिल स्टेशन जाते देखा तो उन्होंने भी परिवार सहित प्रस्थान कर दिया। आखिर छुट्टियां मनाने का लोकप्रिय तरीका यही है कि जहां जगह न हो, वहीं पहुंचा जाए। हिल स्टेशन पहुंचे तो लगा मानो पूरा मैदान वहीं शिफ्ट हो गया हो। सड़कें गाड़ियों से इस तरह भरी थीं जैसे चुनाव के समय नेताओं के वादे। वाहन प्रति घंटा कुछ सेंटीमीटर की गति से आगे बढ़ रहे थे। कभी-कभी रफ्तार बढ़कर कुछ इंच प्रति घंटा हो जाती तो लगता मानो फॉर्मूला-वन की रेस चल रही हो। और जब जाम खुलने पर गाड़ी दो किलोमीटर प्रति घंटा की गति पकड़ती, तो ड्राइवर के चेहरे पर वैसी ही चमक आ जाती जैसी शेयर बाजार में अचानक उछाल देखकर निवेशक के चेहरे पर आती है। गरीबदास ने चारों ओर देखा। जहां तक नजर जाती, गाड़ियां ही गाड़ियां थीं। तब उन्हें लगा कि वे अपने शहर से कहीं आए ही नहीं हैं। फर्क सिर्फ इतना था कि अपने शहर में सड़क के किनारे नाली होती है, यहां सैकड़ों फीट गहरी खाई थी। हर मोड़ पर उन्हें अखबार की वही सुर्खी याद आने लगती—'कार खाई में गिरी, तीन की मौत।' वे मन ही मन यमराज से प्रार्थना करते—'प्रभु, इस बार बचा लो। अगली छुट्टियों में घर की छत पर ही पहाड़ का वॉलपेपर लगाकर घूम लेंगे।' अपने शहर में वे ट्रैफिक जाम में दूसरे वाहनों के धुएं का सेवन करते थे। हिल स्टेशन पर भी वही दिव्य अनुभव मिला। अंतर केवल इतना था कि यहां धुआं शुद्ध पहाड़ी हवा में मिलकर 'ऑर्गेनिक प्रदूषण' जैसा महसूस हो रहा था।

कुल मिलाकर गरीबदास समझ गए कि आजकल हिल स्टेशन का सबसे बड़ा आकर्षण न बर्फ है, न बादल, न देवदार के जंगल। असली आकर्षण है—जाम। लोग पहाड़ देखने नहीं जाते, बल्कि यह देखने जाते हैं कि बाकी लोग भी वहीं आए हैं या नहीं। आखिर पर्यटन का पहला नियम यही है—जहां भीड़ न हो, वहां घूमने का मज़ा ही क्या!

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

क्रेस्ट द क्रिज़ क्लब के रजत जयंती पर जारी संकलन का विमोचन

भिलाई। भिलाई स्टील प्लांट में 2.5 दशक पहले सेवारत युवा अफ़सरों-कर्मियों की गतिविधि 'क्रेस्ट द क्रिज़ क्लब' की रजत जयंती पर 'सिल्वर जुबली एलमनाक' का विमोचन वी रवि ने मुंबई से ऑनलाइन किया। रवि इस क्रिज़ क्लब के अग्रणी संस्थापक सदस्यों में से एक थे तथा बीस वर्षों तक भिलाई इस्पात संयंत्र में कार्य करने के बाद रिलायंस इंडस्ट्रीज, मुंबई से वर्ष 2022 में सेवानिवृत्त हुए हैं। इस एलमनाक (सूचनाकोष) का संकलन 'क्रेस्ट द क्रिज़ क्लब' के संयोजक और कॉर्पोरेट पावर ग्रुप, सेल से वर्ष 2025 में सेवानिवृत्त सीजीएम सौरभ सिन्हा ने किया है।

तीन वार्डों में महापौर ने 84.15 लाख के विकास कार्यों का भूमिपूजन

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग क्षेत्र में विकास कार्यों को गति देते हुए महापौर अलका बाघमार ने आज वार्ड क्रमांक .02 राजीव नगर में आरसीसी नाली व पुलिया निर्माण कार्य एवं देवेंद्र कसेर से आजाद दुर्गा चौक तक आरसी सी नाली निर्माण कार्य के अलावा वार्ड क्र.21 आशा नगर बंद गली में सी.सी. रोड निर्माण,सड़क नंबर 14 आशा नगर व सिंधिया नगर में नाली,पुलिया एवं वार्ड क्रमांक 51 दुर्गा चौक प्रगति नगर में सड़क, नाली एवं पुलिया निर्माण कार्यों का विधिवत भूमिपूजन किया। इस दौरान लोक कर्म प्रभारी देवनारायण चन्द्राकर, एमआईसी सदस्य शिव नायक, पार्षद विद्यावती सिंह,पार्षद साजन जोसफ़ गोविंद्र देवांगन,रंजीता पाटिल,सावित्री दमाहे,जिला भाजपा प्रवक्ता अरुण सिंह उपस्थित रहे।

पद्मश्री से सम्मानित गोडबोले दंपती का सम्मान समारोह कल

भिलाई। दंतेवाड़ा के समाजसेवी दंपती डॉ. रामचंद्र त्र्यंबक गोडबोले और डॉ. सुनीता गोडबोले को नि:स्वार्थ चिकित्सा सेवा के लिए भारत सरकार द्वारा पद्मश्री से सम्मानित किया गया है। इस ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण उपलब्धि पर छग के विभिन्न महाराष्ट्रीय संस्थाओं द्वारा उनका भव्य सम्मान समारोह 28 जून को शाम 7 बजे, महाराष्ट्र मंडल, सेक्टर 4, भिलाई के प्रांगण में आयोजित किया जाएगा। डॉ. गोडबोले दंपत्ति ने दंतेवाड़ा और अबूझमाड़ जैसे धुर नक्सल प्रभावित और दुर्गम क्षेत्रों में निवास करने वाले वनवासियों को वर्षों तक निरंतर नि:शुल्क और निस्वार्थ चिकित्सा सेवा प्रदान की है। इसके साथ ही पद्मश्री से सम्मानित डॉ. बुधारी ताती का भी सम्मान किया जाएगा।

भिलाई के अगस्त ने स्केटिंग में दो स्वर्ण और 1 रजत जीता

भिलाई। कोलकाता में हुई अखिल भारतीय ओपन नेशनल स्पीड़ स्केटिंग चैंपियनशिप में भिलाई के अगस्त खुंटेल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण और एक रजत पदक अपने नाम किया। वह बीएनएस स्कूल सेक्टर-8 में कक्षा चौथी का छात्र है। प्रतियोगिता के अंतर्गत 1000 मीटर में रजत पदक, 700 मीटर और 500 मीटर में स्वर्ण पदक जीता।

नशा मुक्ति का संकल्प : सेंट्रल जेल में बंदियों को दी नशा के दुष्परिणामों की जानकारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। केंद्रीय जेल दुर्ग में आज बंदियों के पुनर्वास एवं समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के उद्देश्य से नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बंदियों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराना तथा उन्हें स्वस्थ, अनुशासित एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था।

कार्यक्रम में हिमांशु जैन, प्रथम अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय जिला दुर्ग द्वारा नशे के शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं पारिवारिक दुष्प्रभावों पर विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही नशे से मुक्ति के प्रभावी उपाय, परामर्श तथा आत्मविश्वास एवं इच्छाशक्ति के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर बंदियों ने नशामुक्त जीवन अपनाने एवं समाज में लौटकर जिम्मेदार नागरिक के रूप में जीवन व्यतीत करने का संकल्प लिया।

बंदियों की जिज्ञासाओं का भी हुआ समाधान

कार्यक्रम के दौरान प्रश्नोत्तर सत्र भी आयोजित किया गया, जिसमें बंदियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया गया। जेल प्रशासन द्वारा बताया गया कि बंदियों के सर्वांगीण विकास एवं सफल पुनर्वास के लिए समय-समय पर ऐसे जागरूकता कार्यक्रम, योग, ध्यान, कौशल विकास एवं परामर्श गतिविधियों का आयोजन निरंतर किया जाता है। इस प्रयासों का उद्देश्य बंदियों में समारात्मक सोच विकसित करना तथा उन्हें अपराध एवं नशे से दूर रखते हुए समाज की मुख्यधारा में पुनर्स्थापित करना है। नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम के आयोजन में जेल अधीक्षक मनीष सम्भाकर, एवं अन्य जेल स्टॉफ उपस्थित रहें।

दुर्ग निगम का अनोखा अभियानः टैक्स जमा करने वालों का पौधा भेंट कर किया सम्मान

करदाता सम्मान के साथ पर्यावरण संरक्षण का संदेश, हरियाली बढ़ाने की अनूठी पहल

■ **निगम प्रशासन ने कहा- समय पर टैक्स जमा करें, एक पौधा लगाकर शहर को बनाएं हराभरा,**

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग ने करदाताओं के सम्मान और पर्यावरण संरक्षण को एक साथ जोड़ते हुए एक अभिनव पहल की। आज निगम प्रशासन के टैक्स काउंटरों में संपत्तिकर एवं अन्य कर जमा करने पहुंचे जागरूक करदाताओं का पौधा भेंट कर स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। निगम की इस अनूठी पहल को करदाताओं ने सराहा और इसे पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सकारात्मक प्रयास बताया।

निगम परिसर स्थित टैक्स काउंटर में बड़ी संख्या में करदाता अपना टैक्स जमा करने पहुंचे। इस दौरान निगम अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने प्रत्येक करदाता को पौधा भेंट कर उनके समय पर कर भुगतान करने के प्रति जागरूकता और जिम्मेदारी की सराहना की। निगम का उद्देश्य केवल राजस्व संग्रह करना ही नहीं, बल्कि नागरिकों को पर्यावरण संरक्षण के लिए भी प्रेरित करना है, ताकि करदाता अपने घर, मोहल्ले और आसपास के क्षेत्रों में पौधरोपण कर शहर को अधिक हरा-भरा और स्वच्छ बना सकें।

निगम प्रशासन ने कहा कि नगर के विकास में करदाताओं की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। नागरिकों द्वारा समय पर कर जमा करने से सड़क, नाली, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था, स्वच्छता सहित विभिन्न जनहित एवं विकास कार्यों को गति मिलती है। निगम प्रशासन ने सभी नागरिकों से अपील की कि वे समय पर अपना कर जमा करें और वर्षा ऋतु का लाभ उठाते हुए कम से कम एक पौधा अवश्य लगाएं तथा उसकी नियमित देखभाल भी करें।

पर्यावरण संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। यदि प्रत्येक नागरिक एक पौधा लगाकर उसे वृक्ष बनने तक संरक्षित करे, तो आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ एवं हरित वातावरण मिल सकेगा। नगर निगम आगे भी जनभागीदारी आधारित ऐसे नवाचार करता रहेगा, जिससे शहर के विकास के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिले।

नगर निगम ने गठित किया बाढ़ नियंत्रण प्रकोष्ठ

मानसून सीजन 2026 के दौरान संभावित अतिवृष्टि एवं बाढ़ जैसी परिस्थितियों से प्रभावी ढंग से निपटने तथा नागरिकों को त्वरित राहत एवं सुरक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा बाढ़ नियंत्रण प्रकोष्ठ का गठन किया गया है। इस संबंध में निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देशानुसार कार्यालय भवन में कंट्रोल रूम स्थापित कर जून से 24 घंटे संचालन की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। बाढ़ नियंत्रण प्रकोष्ठ की संपूर्ण मॉनिटरिंग एवं कार्यों के समन्वय की जिम्मेदारी कार्यपालन अभियंता प्रकाशचंद्र थवानी को नोडल अधिकारी के रूप में सौंपी गई है। उनके सहयोग के लिए स्वास्थ्य, अभियंत्रिकी एवं कार्यशाला शाखा के अधिकारियों की टीम गठित की गई है। साथ ही कंट्रोल रूम के सुचारु संचालन के लिए सप्ताह के सातों दिन दिन एवं रात्रि पाली में कर्मचारियों की ड्यूटी निर्धारित कर दी गई है।

रहस्य और रोमांच की दुनिया से रूबरू कराती है अलौकिक कथाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। शहर के लेखक एवं शिक्षाविद देवाशीष मुखर्जी की नई पुस्तक 'अलौकिक कथाएं' का विमोचन विगत दिनों भिलाई होटल में आयोजित समारोह में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार, लेखक एवं पत्रकार शिवनाथ शुक्ल ने पुस्तक का लोकार्पण किया।

इस अवसर पर शिवनाथ शुक्ल ने कहा कि पुस्तक में ऐसी अनेक कथाओं को स्थान दिया गया है, जिनका संबंध लोकमान्यताओं, रहस्य और अलौकिक अनुभवों से है। उन्होंने कहा कि लेखक ने इन विषयों को रोचक एवं प्रभावशाली शैली में प्रस्तुत कर पाठकों को एक नया दृष्टिकोण देने का प्रयास किया है। शुक्ल ने कहा कि अलौकिक एवं पारलौकिक कथाएं यथार्थ, आदर्श और कल्पना के समन्वय के साथ पाठकों को चिंतन के नए आयाम प्रदान करती हैं। यह रहस्य, रोमांच और अलौकिक घटनाओं पर आधारित कहानियों का संग्रह है, जो पाठकों को कल्पना की एक अलग दुनिया से रूबरू कराती है। वर्तमान में शकुन्तला विद्यालय, रामनगर में अंग्रेजी विषय के व्याख्याता देवाशीष मुखर्जी लंबे समय से शिक्षा एवं साहित्य के क्षेत्र में सक्रिय हैं। देवाशीष मुखर्जी ने बताया कि वे हिंदी, अंग्रेजी और बांग्ला भाषा में लंबे समय से लेखन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पुस्तक में ऐसी घटनाओं और अनुभवों को कथाओं के रूप में प्रस्तुत किया गया है, जिन्हें लोग प्रत्यक्ष रूप से नहीं देख पाते, लेकिन महसूस करते हैं। उन्होंने बताया कि 'अलौकिक कथाएं' ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर भी उपलब्ध है। विमोचन समारोह में कला, संस्कृति, पत्रकारिता एवं साहित्य जगत से जुड़े अनेक लोग उपस्थित थे।

रेल एवं स्ट्रक्चरल मिल में क्रेन ऑपरेटरों हेतु नवीन लैंडिंग प्लेटफॉर्म का लोकार्पण

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र की रेल एवं स्ट्रक्चरल मिल (आरएसएम) में कार्यस्थल सुरक्षा एवं परिचालन सुविधा को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत बीसी बे, हॉट सॉ पल्पिट क्रमांक-9 के समीप क्रेन ऑपरेटरों के लिए नवीन लैंडिंग प्लेटफॉर्म का निर्माण एवं लोकार्पण किया गया। मुख्य महाप्रबंधक (आरएसएम एवं आरटीएस) तीर्थंकर दस्तिदार ने वरिष्ठ अधिकारियों एवं विभागीय टीम की उपस्थिति में नवीन लैंडिंग प्लेटफॉर्म का लोकार्पण किया।

पूर्व में इस स्थान पर स्थापित लैंडिंग प्लेटफॉर्म क्षतिग्रस्त एवं अनुपयोगी हो चुका था, जिसके कारण क्रेन तक सुरक्षित पहुंच संभव नहीं थी तथा क्रेन की बार-बार री-पोजिशनिंग करनी पड़ती थी, जिससे परिचालन के दौरान सुरक्षा संबंधी चुनौतियां उत्पन्न होती थीं। इस समस्या की पहचान रेल एवं स्ट्रक्चरल मिल के यांत्रिक

विभाग द्वारा की गई, जिसके उपरांत पुराने प्लेटफॉर्म को हटाकर लगभग 12 से 13 मीटर लंबा नया लैंडिंग प्लेटफॉर्म तैयार कर स्थापित करने का निर्णय लिया गया। यह संपूर्ण कार्य निर्धारित सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए मात्र दो सप्ताह की अवधि में सफलतापूर्वक पूरा किया गया तथा निर्माण कार्य के दौरान उत्पादन गतिविधियां भी निर्बाध रूप से संचालित होती रहीं। नवीन लैंडिंग प्लेटफॉर्म के स्थापित होने से अब क्रेन ऑपरेटर सुरक्षित एवं सुगमता के साथ क्रेन तक पहुंच सकेंगे, जिससे कार्यस्थल की सुरक्षा के साथ-साथ परिचालन दक्षता में भी वृद्धि होगी।

छत्तीसगढ़ स्तरीय लोकवाद्य कार्यशाला शिविर का समापन

लोककला के संरक्षण में कार्यशाला की अहम भूमिका

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। संस्कृति विभाग (छत्तीसगढ़ शासन) एवं कुहुकी के संयुक्त तत्वावधान में जारी 10 दिवसीय छत्तीसगढ़ स्तरीय लोकवाद्य कार्यशाला शिविर का समापन बुधवार 24 जून की शाम कुहुकी कला ग्राम संग्रहालय परिसर, मैत्रीबाग चौक, मरोदा सेक्टर में हुआ। इस दौरान मुख्य अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार विजय वर्तमान और विशिष्ट अतिथि साहित्यकार मेनका वर्मा व वरिष्ठ लोक कलाकार गणेश विश्वकर्मा थे।

शुरुआत में अतिथियों के स्वागत के उपरांत स्वागत भाषण देते हुए अन्नपूर्णा क्षत्रिय ने दस दिवसीय शिविर की गतिविधियों

की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस शिविर में शिल्पकारों ने न सिर्फ अपनी कलाकृतियों और वाद्य यंत्रों का निर्माण किया बल्कि एक दूसरे की कला की बारीकियों को समझा भी। वहीं आगंतुकों ने भी इन कलाकृतियों को बनते हुए देखा।

मुख्य अतिथि विजय वर्तमान ने कहा छत्तीसगढ़ी लोककला के संरक्षण में इस तरह शिविरों का आयोजन एक जरूरी पहल है और ऐसे ही माध्यमों से हमारी कला व संस्कृति देश व दुनिया में फैलेगी। उन्होंने शिविर के संयोजक रिखी क्षत्रिय की पहल की सराहना करते हुए कहा कि एक दूसरे की कला को सीखने का अवसर देने यह एक बेहतर मंच है। आयोजन को साहित्यकार मेनका वर्मा व वरिष्ठ लोक कलाकार गणेश विश्वकर्मा ने भी संबोधित किया और कलाकारों द्वारा निर्मित कलाकृतियों की सराहना की।

अतिथियों ने समापन समारोह में मौजूद शिबू कश्यप बेल मेटल,डमरू चक्रधारी टेराकोटा,ओकेश विश्वकर्मा लौह शिल्प,दीपक तारम काष्ठ कला, रूंजू वाद्य निर्माणकर्ता नीलकंठ देवार,चिकारा वाद्य निर्माणकर्ता मनहरण,तम्बूरा वाद्य निर्माणकर्ता राम कुमार पाटिल और मांदर वाद्य निर्माणकर्ता पन्ना लाल का सम्मान किया। इस दौरान कलाकारों ने लोकवाद्यों पर आधारित अपनी प्रस्तुति भी दी। अंत में धन्यवाद ज्ञापन संयोजक व लोक वाद्य संग्राहक रिखी क्षत्रिय ने दिया।

मुहर्रम : शहर की तमाम मस्जिदों और घरों में पढ़ी गई दुआएं

बारिश ने बढ़ाया ताजियादारों का हौसला, जुलूस में गूंजी या हुसैन की सदा

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। करबला के शहीदों की याद में शहर में यौमे आशूरा शुक्रवार को परम्परागत ढंग से मनाया गया। मस्जिदों और घरों में जहां लोगों ने दोपहर में खास तौर पर दुआए आशूरा पढ़ी, वहीं ताजियादारी,सवारी और अखाड़ा मुख्य जुलूस की रौनक रहे। जगह-जगह लंगर और सबील के जरिए खिदमते खल्क (मानव सेवा) का पैगाम दिया गया। वहीं विभिन्न कमेटियों की ओर से रक्तदान की भी पहल की गई।

यौमे आशूरा का जुलूस दोपहर बाद पावर हाउस ओवर ब्रिज पर इकट्ठा होना शुरू हुआ। इस दौरान जम कर बारिश होने लगी। लोग बारिश में भीगते हुए करबला के शहीदों की याद में 'या हुसैन'की सदा बुलंद करते रहे। इस दौरान अखाड़े में हैरतअंगेज करतब दिखाते नौजवान आगे बढ़ते रहे। यहां से शाम को जुलूस सेक्टर-

1 से सेंट्रल एवेन्यू और सेक्टर-5 चौक होते हुए रात में सेक्टर-6 मस्जिद तक पहुंचा। इसके बाद देर रात जुलूस करबला मैदान जीई रोड पहुंचा, जहां फातिहा ख्वानी के बाद लोग सुबह तक घर लौटे।

मुहर्रम के 10 वें दिन यौमे आशूरा पर शहर की सभी मस्जिदों में दोपहर के वक्त नमाजे जुहर के बाद मिल कर दुआए आशूरा पढ़ी गई। वहीं मस्जिदों, इमामबाड़ों और ताजिया निकलने के रास्ते में जगह-जगह लंगर और सबील का इंतजाम किया गया था। छत्तीसगढ़ मुस्लिम फ्रंट की ओर से इमाम हुसैन की याद में रक्तदान शिविर और आम लंगर का आयोजन जामा मस्जिद सेक्टर-6 भिलाई में किया गया। जिसमें बड़ी तादाद में लोगों ने भागीदारी दी। इधर करबला कमेटी की ओर से भी करबला मैदान में राहगीरों के लिए शरबत की सबील का इंतजाम किया गया। वहीं कमेटी ने जुलूस की व्यवस्था देख रहे पुलिस अफसरों का इस्तकबाल किया।

इसके पहले ताजिए का जुलूस शहर की परंपरा अनुसार 25-26 जून की दरमियानी रात पावर हाउस चौक पर इकट्ठा हुआ। कैम्प, खुर्सीपार, फरीद नगर, सुपेला और सेक्टर क्षेत्र के तमाम ताजिया, अखाड़ा और सवारी की कमेटियां जुलूस के तौर पर पावर हाउस पहुंचे। जहां अखाड़े के करतब नौजवानों ने दिखाए। वहीं फातिहा ख्वानी हुई और सुबह-सुबह सभी कमेटियां वापस अपने अपने इमामबाड़े पहुंची। जहां से शुक्रवार दोपहर बाद मुख्य जुलूस के लिए सभी रवाना हुए और देर रात करबला मैदान पहुंचे।

रक्तदान, स्वास्थ्य शिविर और तकरीर 29 जून को

भिलाई। गैर सरकारी संगठन अल मदद एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसाइटी की ओर से करबला के शहीदों की याद में रक्तदान और स्वास्थ्य शिविर का आयोजन 29 जून सोमवार को सेक्टर-6 जामा मस्जिद के कम्युनिटी हॉल में किया जा रहा है। सोसाइटी की प्रमुख अंजुम अली ने बताया कि सुबह 11 बजे से 5 बजे तक रक्तदान, दंत परीक्षण, नेत्र परीक्षण और सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण का आयोजन शिविर में होगा। इसके साथ ही यहां आयुष्मान कार्ड पंजीयन की सुविधा भी दी जा रही है। यहां शाम 5:00 बजे से आलिमा गुल निशा की तकरीर (बयान) का आयोजन किया गया है, जिसमें करबला के शहीदों के वाकयात बयान किए जाएंगे। मगरिब की नमाज के बाद फातिहा ख्वानी होगी। अंजुम अली ने ज्यादा से ज्यादा लोगों से पहुंच कर नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का लाभ उठाने और अन्य आयोजनों में भागीदारी की अपील की है।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size
CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खास-खबर

श्रमिकों के बच्चों को मिलेगा निजी आवासीय विद्यालयों में निःशुल्क प्रवेश

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के श्रम विभाग द्वारा संचालित अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के मेधावी बच्चों के लिए सुनहरा अवसर लेकर आई है। योजना के तहत श्रमिक परिवारों के बच्चों को देश एवं प्रदेश के प्रतिष्ठित निजी आवासीय विद्यालयों में कक्षा 6वीं से 12वीं तक निःशुल्क गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जाएगी। इसके लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है, जिसकी अंतिम तिथि 03 जुलाई 2026 निर्धारित की गई है। योजना का लाभ उन श्रमिक परिवारों के बच्चों को मिलेगा, जिनके माता-पिता छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल में पंजीकृत एवं सक्रिय सदस्य हैं। चयनित विद्यार्थियों को सीबीएसई अथवा आईसीएसई पाठ्यक्रम संचालित प्रतिष्ठित निजी आवासीय विद्यालयों में अध्ययन का अवसर मिलेगा।

रायपुर को हरित एवं पर्यावरण अनुकूल बनाने समीक्षा

रायपुर। आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओ.पी. चौधरी ने नवा रायपुर में 'पीपुल फॉर पीपल' अभियान सहित विभिन्न वृक्षारोपण कार्यों की प्रगति की समीक्षा के लिए अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में मंत्री चौधरी ने वृक्षारोपण कार्यों की गुणवत्ता, समयबद्ध क्रियान्वयन और पौधों के संरक्षण पर विशेष जोर देते हुए अधिकारियों को प्रभावी मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नवा रायपुर को अधिक हरित, स्वच्छ और पर्यावरण अनुकूल शहर बनाने के लिए वृक्षारोपण अभियान को जनभागीदारी के साथ आगे बढ़ाया जाए। बैठक में आवास एवं पर्यावरण विभाग के सचिव अंकित आनंद, एनआरडीए के मुख्य कार्यपालन अधिकारी चंदन कुमार सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

नई सोच, नई तकनीक और नई उम्मीदः नैनो उर्वरकों से सशक्त हो रही खेती

रायपुर। कृषि क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने और किसानों को आधुनिक तकनीकों से जोड़ने के लिए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी दिशा में नैनो उर्वरकों के उपयोग को प्रोत्साहित किया जा रहा है, जिससे किसान कम लागत में बेहतर उत्पादन की ओर अग्रसर हो रहे हैं। इन प्रयासों का सकारात्मक प्रभाव अब ग्रामीण क्षेत्रों में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। कोरबा जिले के ग्राम जपेली निवासी कृषक रतन सिंह इसका एक प्रेरक उदाहरण हैं। लगभग साढ़े चार एकड़ कृषि भूमि पर खेती करने वाले रतन सिंह के लिए कृषि ही आय का प्रमुख साधन है। वर्षों से खेती कर रहे रतन सिंह ने बदलते समय के साथ आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने का निर्णय लिया और पिछले वर्ष से अपने खेतों में नैनो डीएपी एवं नैनो यूरिया का उपयोग शुरू किया। रतन सिंह बताते हैं कि प्रारंभ में उन्होंने नैनो उर्वरकों को लेकर जानकारी प्राप्त की और कृषि विभाग के मार्गदर्शन में इसका उपयोग किया। उपयोग के बाद उन्हें फसलों की वृद्धि एवं विकास में सकारात्मक परिणाम देखने को मिले। उनका कहना है कि नैनो उर्वरक कम मात्रा में उपयोग होने के बावजूद प्रभावी साबित हो रहे हैं, जिससे खेती के कार्यों को अधिक व्यवस्थित ढंग से करने में सहायता मिल रही है। उन्होंने बताया कि नैनो उर्वरकों के उपयोग से खेतों में पोषक तत्वों का बेहतर प्रबंधन संभव हुआ है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल से जशपुर की महिलाएं बनेंगी 'ड्रोन दीदी'

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और कृषि में आधुनिक तकनीक को बढ़ावा देने की दिशा में जशपुर जिले की स्व-सहायता समूहों की महिलाएं नई पहचान बना रही हैं। नमो ड्रोन दीदी योजना के तहत जिले की चयनित महिलाएं इन दिनों रायपुर स्थित आईटीएम विश्वविद्यालय में ड्रोन संचालन एवं रिमोट पायलटिंग का विशेष प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं।

यह प्रशिक्षण महिलाओं को आधुनिक कृषि तकनीक से जोड़ने के साथ उन्हें कृषि क्षेत्र में स्वरोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। प्रशिक्षण के माध्यम से महिलाएं ड्रोन आधारित कृषि सेवाएं देने के लिए दक्ष बन रही हैं। प्रशिक्षण के दौरान ड्रोन दीदियों को ड्रोन की तकनीकी संरचना, सुरक्षित उड़ान संचालन, रिमोट पायलटिंग, फसलों में उर्वरक एवं कीटनाशकों का वैज्ञानिक छिड़काव, ड्रोन के रखरखाव तथा कृषि क्षेत्र में उसके व्यावहारिक उपयोग की विस्तृत जानकारी दी जा रही है। प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद ये ड्रोन दीदियां जशपुर जिले के किसानों को ड्रोन के माध्यम से नैनो उर्वरक, कीटनाशक एवं अन्य कृषि कार्यों की सेवाएं उपलब्ध कराएंगी। इससे कृषि कार्य कम समय में, कम लागत पर और अधिक प्रभावी ढंग से किए जा सकेंगे। साथ ही वैज्ञानिक खेती को भी बढ़ावा मिलेगा।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने हाल ही में जशपुर प्रवास के दौरान प्रशिक्षण के लिए रवाना हो रही ड्रोन दीदियों की बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था। इससे पूर्व 17 अप्रैल 2026 को रणजीता स्टेडियम में आयोजित 'लखपति दीदी' कार्यक्रम के दौरान ड्रोन दीदी एवं उन्नत सॉयल टेस्टिंग मशीन भी प्रदान की गई थी।

उप संचालक कृषि, जशपुर के अनुसार प्रशिक्षण के बाद ड्रोन दीदियां जिले के विभिन्न विकासखंडों में किसानों को तकनीक आधारित कृषि सेवाएं उपलब्ध कराएंगी। इससे खेती में समय की बचत, लागत में कमी और उत्पादन क्षमता में वृद्धि होगी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशा के अनुरूप महिलाओं को आधुनिक तकनीक से जोड़कर उन्हें रोजगार एवं स्वरोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। जिला प्रशासन एवं कृषि विभाग का विश्वास है कि यह पहल जशपुर में तकनीक आधारित कृषि को नई गति देने के साथ महिला स्व-सहायता समूहों की आर्थिक सशक्तता और किसानों की आय बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

मुख्यमंत्री की सोच को साकार कर रहा टेक्सटाइल पार्क, स्थानीय रोजगार को मिलेगी नई उड़ान

235 करोड़ का निवेश, 4600 से अधिक लोगों को मिलेगा रोजगार

श्रीकंचनपथ न्यूज

नवा रायपुर का टेक्सटाइल पार्क छत्तीसगढ़ के युवाओं, विशेषकर महिलाओं के लिए स्थानीय स्तर पर बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने का मजबूत माध्यम बनेगा। हमारी सरकार यहां निवेशकों को विश्वस्तरीय अधोसंरचना और सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए तेजी से कार्य कर रही है। उद्योगों के विस्तार के साथ रोजगार, आर्थिक गतिविधियों और प्रदेश के औद्योगिक विकास को नई गति मिलेगी। हम छत्तीसगढ़ को देश का अग्रणी टेक्सटाइल एवं गारमेंट निर्माण केंद्र बनाने के लक्ष्य के साथ काम कर रहे है।

- मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार नवा रायपुर को देश के प्रमुख टेक्सटाइल एवं गारमेंट निर्माण केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री साय ने कहा है कि नवा रायपुर का टेक्सटाइल पार्क प्रदेश के युवाओं और महिलाओं के लिए स्थानीय स्तर पर बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने का मजबूत आधार बनेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार टेक्सटाइल पार्क में निवेशकों को विश्वस्तरीय अधोसंरचना और सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय की गंभीर कोशिशों से नवा रायपुर के टेक्सटाइल पार्क में पहली यूनिट लगने जा रही है। 235 करोड़ रुपए के निवेश से लगने वाली इस यूनिट से 4600 से अधिक लोगों को रोजगार का मौका मिलेगा। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री लखन लाल देवांगन तथा आवास एवं पर्यावरण मंत्री श्री ओ.पी. चौधरी ने 25 जून को टेक्सटाइल पार्क की पहली गारमेंट मैन्युफैक्चरिंग यूनिट का भूमिपूजन किया। तमिलनाडु की स्विफ्ट टेक्सटाइल्स प्राइवेट लिमिटेड यहां अपनी मेन्युफैक्चरिंग यूनिट स्थापित कर रही है। कंपनी मुख्य रूप से बच्चों के कपड़े (किड्सवियर) और यूरोपीय व अमेरिकी बाजारों में निर्यात पर ध्यान केंद्रित करते हुए निट गारमेंट्स और कपड़े बनाएगी।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के टेक्सटाइल व गारमेंट मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ को देश-विदेश में नई पहचान दिलाने और स्थानीय स्तर पर रोजगार के बड़े अवसर तैयार करने के विजन को साकार करने नवा रायपुर में 81 एकड़ क्षेत्र में आधुनिक टेक्सटाइल पार्क विकसित किया जा रहा है। यहां टेक्सटाइल, गारमेंट, तकनीकी वस्त्र तथा सहायक उद्योगों के लिए सभी आवश्यक अधोसंरचनाएं विकसित की जा रही हैं। इस टेक्सटाइल पार्क में स्विफ्ट टेक्सटाइल्स प्राइवेट लिमिटेड के साथ ही पुनीत क्रिएशन्स और दृष्टि डिजाइन्स एलएलपी को भी भूमि आबंटित की जा चुकी है। इन तीनों इकाईयों द्वारा लगभग 445 करोड़ रुपए के निवेश से 11 हजार से अधिक रोजगार के अवसर सृजित होने की संभावना है।

वाणिज्य एवं उद्योग विभाग द्वारा नवा रायपुर में सर्वसुविधायुक्त टेक्सटाइल पार्क के लिए डामरीकृत पक्की सड़कों, नाली एवं जल निकासी व्यवस्था, पॉवर सब-स्टेशन, जल प्रदाय व्यवस्था, स्ट्रीट लाइट, प्रशासनिक भवन, व्यावसायिक कॉम्प्लेक्स, इफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट ठोस अपशिष्ट प्रबंधन क्षेत्र एवं कॉमन फैसिलिटी सेंटर जैसी सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। अच्छी कनेक्टीविटी, आधुनिक अधोसंरचना और सुदृढ़ लॉजिस्टिक्स सुविधाओं के साथ नवा रायपुर का यह टेक्सटाइल पार्क वस्त्र उद्योगों को एक आदर्श निवेश स्थल के रूप में आकर्षित कर रहा है।

राज्य शासन ने छत्तीसगढ़ की औद्योगिक विकास नीति 2024-30 में टेक्सटाइल एवं रेडीमेड गारमेंट्स को थ्रस्ट सेक्टर के रूप में विशेष प्राथमिकता दी है। रोजगार सृजन को बढ़ावा देने महिला कर्मचारियों हेतु 6 हजार रुपए तथा पुरुष कर्मचारियों हेतु 5 हजार रुपए प्रतिमाह की रोजगार सहायता पांच वर्षों तक देने का प्रावधान किया गया है। नई औद्योगिक नीति के प्रभाव से प्रदेश में पिछले 18 महीनों में 8 लाख करोड़ रुपु से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं, जिनसे 1.6 लाख से अधिक रोजगार के अवसर सृजित होने की संभावना है। टेक्सटाइल और कपड़ों के अलावा राज्य ने डेटा सेंटर, आईटी, फार्मास्यूटिकल्स, सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रिकल व इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग में भी बड़े निवेश आकर्षित किए हैं। यह छत्तीसगढ़ के इंडस्ट्रियल इकोसिस्टम और बिज़नेस-फ्रेंडली माहौल में निवेशकों के बढ़ते भरोसे को दिखाता है।

जैविक सब्जी के उत्पादन और एप्पल की खेती से बनाई नई पहचान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगर पंचायत मल्हार के प्रगतिशील किसान जदुनंदन वर्मा ने जैविक खेती और नवाचार के दम पर अपनी अलग पहचान बनाई है। वे एक एकड़ में जैविक सब्जियों की खेती कर सालाना लगभग दो लाख रुपये की आमदनी अर्जित कर रहे हैं। वहीं आधा एकड़ में जैविक एप्पल की खेती कर उन्होंने क्षेत्र के किसानों के लिए एक नया उदाहरण प्रस्तुत किया है। पिछले लगभग दस वर्षों से वे पूरी तरह जैविक पद्धति से खेती कर रहे हैं। उनकी सफलता अन्य किसानों को भी जैविक खेती अपनाने के लिए प्रेरित कर रही है।

जदुनंदन वर्मा बताते हैं कि रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अत्यधिक उपयोग से मिट्टी की उर्वरता, पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

इसी सोच के साथ उन्होंने जैविक खेती को अपनाया। वे गोबर की खाद, वर्मी कम्पोस्ट, जीवामृत तथा अन्य जैविक संसाधनों का उपयोग कर खेती करते हैं। इससे उत्पादन लागत में कमी आई है, फसलों की गुणवत्ता में सुधार हुआ है और मिट्टी की उर्वरता भी लगातार बढ़ी है।

जदुनंदन वर्मा ने लगभग साढ़े तीन वर्ष पहले आधा एकड़ भूमि में जैविक एप्पल के पौधे लगाए थे। पिछले दो वर्षों से उन्हें एप्पल का उत्पादन मिल रहा है। उनके खेत में तैयार होने वाले जैविक एप्पल की मांग इतनी बढ़ गई है कि ग्राहक स्वयं उनके खेत पहुंचकर फल खरीदकर ले जाते हैं। इससे उन्हें बेहतर मूल्य मिलने के साथ जैविक उत्पादों के प्रति लोगों का विश्वास भी बढ़ा है।

जदुनंदन को कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों से जैविक खाद निर्माण, जैविक कीट एवं रोग प्रबंधन तथा उन्नत कृषि तकनीकों की जानकारी मिली, जिसका लाभ उनकी खेती में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। साथ ही उन्हें प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का लाभ भी नियमित रूप से मिल रहा है, जिससे खेती की लागत कम करने में सहायता मिलती है।

जदुनंदन वर्मा का मानना है कि जैविक खेती किसानों की आय बढ़ाने के साथ-साथ मिट्टी, पर्यावरण और मानव स्वास्थ्य की सुरक्षा का भी प्रभावी माध्यम है। उनकी सफलता यह साबित करती है कि नवाचार, वैज्ञानिक मार्गदर्शन और सरकारी योजनाओं का समुचित लाभ लेकर खेती को लाभकारी और टिकाऊ बनाया जा सकता है।

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 में शिकायत का त्वरित समाधान, त्वरित समाधान से संतुष्ट हुआ शिकायतकर्ता

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में संचालित मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी और प्रभावी समाधान का भरोसेमंद माध्यम बनती जा रही है। हेल्पलाइन के माध्यम से प्राप्त शिकायतों का निर्धारित समय-सीमा में निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है, जिससे नागरिकों को आवश्यक सेवाएं और जानकारी समय पर उपलब्ध हो रही है। इसी क्रम में जिला परिवहन कार्यालय जशपुर ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 में प्राप्त एक शिकायत का त्वरित निराकरण करते हुए आवेदक को आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराई, जिससे शिकायत का संतोषजनक समाधान हो गया।

जिला परिवहन अधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के माध्यम से श्री एच.एल. भगत का आवेदन प्राप्त हुआ था। उन्होंने झारखंड राज्य के लिए वाहन पोर्टल पर ऑनलाइन अनापत्ति प्रमाण-पत्र (एनओसी) जारी करने की सुविधा उपलब्ध कराने का अनुरोध किया था।

शिकायत प्राप्त होने के बाद परिवहन विभाग ने तत्काल प्रकरण की जांच कर 25 जून 2026 को आवेदक से दूरभाष पर संपर्क किया। उन्हें बताया गया कि वर्तमान में झारखंड राज्य के लिए वाहन पोर्टल पर ऑनलाइन एनओसी जारी करने की सुविधा उपलब्ध नहीं है।

विभाग द्वारा आवेदक को यह भी बताया गया कि एनओसी प्राप्त करने के लिए प्रपत्र-28, चेसिस नंबर ट्रेस, आधार कार्ड, बीमा प्रमाण-पत्र, प्रदूषण प्रमाण-पत्र, मूल पंजीयन प्रमाण-पत्र (आरसी) तथा एनसीआरबी रिपोर्ट सहित आवश्यक दस्तावेज संबंधित जिला परिवहन कार्यालय में प्रस्तुत कर ऑफलाइन प्रक्रिया के माध्यम से एनओसी प्राप्त किया जा सकता है।

पूरी जानकारी मिलने के बाद आवेदक ने समाधान पर संतोष व्यक्त किया तथा किसी प्रकार की आपत्ति नहीं जताई। जिला परिवहन अधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 शासन और नागरिकों के बीच प्रभावी संवाद का सशक्त माध्यम बन रही है।

हेल्पलाइन के माध्यम से प्राप्त शिकायतों का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है, जिससे आम नागरिकों को समय पर आवश्यक जानकारी एवं सेवाओं का लाभ मिल रहा है। शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक शिकायत का संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ निराकरण किया जा रहा है।

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने बोड़ागांव में ग्रामीणों के बीच चौपाल लगाकर किया संवाद

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने आज अपने उत्तर बस्तर कांकेर प्रवास के दौरान अंतागढ़ विकासखंड के ग्राम बोड़ागांव स्थित सीएएफ कैंप परिसर में चौपाल लगाकर ग्रामीणों से संवाद करते हुए शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचाने पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आगामी ढाई महीने के भीतर प्रत्येक ग्रामीण का बैंक खाते की उपलब्धता सुनिश्चित किया जाए, ताकि शासन की योजनाओं का लाभ सीधे हितग्राहियों तक पहुंच सके।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने चौपाल में ग्रामीणों से चर्चा के दौरान क्षेत्र में जैविक खेती को बढ़ावा देने, दुग्ध उत्पादन को आजीविका के साधन के रूप में विकसित करने तथा लघु वनोपज के प्रसंस्करण केंद्र स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने आधुनिक ढंग से दुग्ध उत्पादन के लिए इसमें रुचि लेने वाले 10-10 ग्रामीणों की टीम गठित कर गुजरात में एक्पोजर विजिट कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि स्थानीय संसाधनों के बेहतर उपयोग से ग्रामीणों को रोजगार और आय के नए अवसर उपलब्ध कराए जा सकते हैं।उन्होंने महिला स्व सहायता समूहों से अधिक से अधिक महिलाओं को जोड़ने तथा शिक्षित बेरोजगार युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक पहल करने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार को बढ़ावा देने से आत्मनिर्भरता को मजबूती मिलेगी।

इस दौरान उप मुख्यमंत्री ने बोड़ागांव में स्थानीय शिक्षित बेरोजगार युवकों को रोजगार देने के लिए अटल डिजिटल सेवा केंद्र स्थापित करने एवं आमाबेड़ा में किसान सदन निर्माण के लिए 15 लाख रुपये की स्वीकृति देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि डिजिटल सेवाओं और किसानों के लिए आवश्यक सुविधाओं के विस्तार से ग्रामीणों को बेहतर लाभ मिलेगा।

ग्रामीणों ने उप मुख्यमंत्री के समक्ष अपनी आवश्यकताओं और स्थानीय समस्याओं से भी अवगत कराया, जिस पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। इस अवसर पर कांकेर सांसद भोजराज नाग और अंतागढ़ विधायक विक्रम उसेंडी ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए नक्सलवाद की समाप्ति के बाद ग्रामीणों को शासन की महत्वाकांक्षी योजनाओं से जुड़कर विकास की मुख्य धारा में शामिल होने की अपील की।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य हस्तशिल्प विकास बोर्ड की अध्यक्ष शालिनी राजपूत, जिले के कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर, एएसपी आकाश श्रीश्रीमाल सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

एक माह में ही पहुंचे 480 से ज्यादा पर्यटक, युवाओं, महिला समूह, वन प्रबंधन समिति को पौने 3 लाख रुपए से अधिक की हुई आय

भोरमदेव जंगल सफारी बनी छत्तीसगढ़ के इको-टूरिज्म की नई पहचान

श्रीकंचनपथ न्यूज

कवर्धा। छत्तीसगढ़ सरकार की इको-टूरिज्म पहल के तहत विकसित भोरमदेव जंगल सफारी संचालन के पहले ही महीने में छत्तीसगढ़ के इको-टूरिज्म की नई पहचान बनकर उभरी है। जंगल सफारी प्रकृति प्रेमियों और रोमांच के शौकीनों के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र बन गई है, सिर्फएक माह में ही 489 से अधिक पर्यटक यहां पहुंचे है।

वहीं स्थानीय युवाओं, वन प्रबंधन समिति और स्व-सहायता समूहों को रोजगार एवं आमदनी के नए अवसर मिले हैं। प्रकृति, रोमांच और स्थानीय विकास का सफल संगम बनी यह पहल भोरमदेव को राज्य के प्रमुख पर्यटन स्थलों में स्थापित करने के साथ-साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी नई मजबूती प्रदान कर रही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की मंशानुरूप, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा तथा वन मंत्री केदार कश्यप के मार्गदर्शन में शुरू की गई यह जंगल सफारी आकर्षण का प्रमुख केंद्र बन गई है। वन मंडलाधिकारी निखिल अग्रवाल ने बताया कि भोरमदेव जंगल सफारी का उद्घाटन 3 मई 2026 को किया गया तथा 4 मई 2026 से पर्यटकों के लिए इसका संचालन शुरू हुआ। मानसून को देखते हुए 4 जून 2026 से सफारी को अस्थायी रूप से स्थगित किया गया है। मात्र एक माह के संचालन के दौरान 480 से अधिक पर्यटकों ने जंगल सफारी का आनंद लिया, जिससे पौने 3 लाख रुपए से अधिक की राशि प्राप्त हुई है। बारिश के बाद नवंबर माह से इसका संचालन फिर से शुरू होगा। भोरमदेव जंगल सफारी की शुरुआत से स्थानीय लोगों को रोजगार और आय के नए अवसर मिले हैं। केवल एक महीने के संचालन में वाहन चालक, गाइड और गेट कीपर के रूप में कार्यरत 17 स्थानीय युवाओं ने 75 हजार रुपये से अधिक की आय अर्जित की। वहीं वन प्रबंधन समिति को 92 हजार और वन विभाग को 26 हजार रुपये से अधिक की आय प्राप्त हुई। सफारी परिसर में स्व-सहायता समूह द्वारा संचालित कैंटीन भी पर्यटकों की पसंद बनी रही। एक माह में कैंटीन से 20 हजार रुपये से अधिक का मुनाफा हुआ, जिससे समूह की महिलाओं की आय बढ़ी और उन्हें आत्मनिर्भर बनने की दिशा में मजबूती मिली।

सिर्फ सफारी ही नहीं, उद्यान भी बना आकर्षण का केंद्र

जंगल सफारी के साथ-साथ भोरमदेव का प्राकृतिक उद्यान भी पर्यटकों की पसंद बन रहा है। सफारी का आनंद लेने वाले पर्यटकों के अलावा 1500 से अधिक लोगों ने उद्यान का भी भ्रमण किया। इससे साफहै कि भोरमदेव क्षेत्र धीरे-धीरे प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों में अपनी अलग पहचान बना रहा है।

वन्यजीवों की रोमांचक साइटिंग ने बढ़ाया आकर्षण

करीब 36 किलोमीटर लंबी जंगल सफारी के दौरान पर्यटकों को कई वन्यजीवों और पक्षियों को करीब से देखने का अवसर मिला। सफारी में भारतीय गौर, भालू, नीलगाय, सांभर, कोटरी (बार्किंग डियर), बाघ के पदचिह्न (टाइगर पगमार्क), जंगली मुर्गा, विभिन्न प्रजातियों के पक्षी और रंग-बिरंगी तितलियां पर्यटकों के लिए खास आकर्षण रहीं। घने जंगल, ऊंची पहाड़ियां और प्राकृतिक सुंदरता से भरपूर वातावरण ने सफारी को रोमांचक और यादगार अनुभव बना दिया।

गंजेपन से मुक्ति
मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131
अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, कैम्प 2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

'रोमांस मिस कर रही हूं', भरत तख्तानी से तलाक के बाद प्यार की कमी महसूस कर रहीं ईशा देओल

ईशा देओल और भरत तख्तानी ने साल 2012 में शादी की थी, लेकिन 11 साल साथ रहने के बाद 2024 में दोनों ने अलग होने का फैसला किया। हाल ही में ईशा देओल ने खुलकर बताया है कि अलग होने के बाद उनकी जिंदगी में 'प्यार और रोमांस' की कमी है। हाल ही में एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि उन्हें रोमांटिक होना बहुत पसंद है।

रोमांस इंसान की जिंदगी में बहुत जरूरी

कर्ली टेल्स को दिए इंटरव्यू में ईशा ने कहा, 'मुझे लगता है कि प्यार और रोमांस किसी भी इंसान की जिंदगी में बहुत जरूरी होता है, और अभी मैं इसे मिस कर रही हूं। मुझे रोमांटिक होना बहुत पसंद है। मैं पूरी तरह से रोम-कॉम टाइप इंसान हूं। मुझे लव सॉन्ग्स और लव स्टोरीज बहुत पसंद हैं।'

मेरे पहले भी बॉयफ्रेंड रहे हैं

जब उनसे पूछा गया कि क्या इस अलगाव के बाद उनके प्यार को देखने का नजरिया बदल गया है, तो उन्होंने कहा, 'नहीं, ये चीजें नहीं बदलतीं। ब्रेकअप होते हैं। मेरे पहले भी बॉयफ्रेंड रहे हैं, जिनसे मेरा ब्रेकअप हुआ। ये सब जिंदगी का हिस्सा है, लेकिन इससे मेरे प्यार को लेकर सोच नहीं बदलती। हम सबने हेमा जी और धर्मेंद्र जी के बीच का बिना शर्त वाला प्यार देखा है।'

ये बहुत पर्सनल बात, जो दो लोगों के बीच होती है ईशा ने यह भी बताया कि अलग होने के फैसले में उनका परिवार उनके साथ खड़ा रहा। उन्होंने कहा, 'ये बहुत पर्सनल बात है, जो दो लोगों के बीच होती है। हमारे जैसे प्रोफेशन में ये बातें पब्लिक में आ जाती हैं।

मैं, भरत या उनका परिवार ऐसे मामलों में ज्यादा खुलकर बात करने वाले लोग नहीं हैं। उस समय हालात ऐसे थे और इसमें बच्चे भी शामिल हैं, इसलिए ये बहुत संवेदनशील समय होता है, जिसे बहुत संभलकर समझना पड़ता है।'

क्यों अलग हुए ईशा और भरत?

ईशा देओल और भरत तख्तानी ने अपने अलग होने की वजह नहीं बताई, लेकिन एक जॉइंट स्टेटमेंट जारी कर कहा था कि यह फैसला उन्होंने आपसी सहमति से लिया है।

उन्होंने कहा था, 'हमने आपसी सहमति और समझदारी से अलग होने का फैसला किया है। इस बदलाव के दौरान हमारे दोनों बच्चों का भला हमारे लिए सबसे ज्यादा जरूरी है। हम चाहते हैं कि हमारी प्राइवेसी का सम्मान किया जाए।' ईशा और भरत अपनी दो बेटियों राध्या और मिराया के माता-पिता हैं।

अभिनेत्री एलनाज नोरौजी ने गाने हुआ से किया सिंगिंग डेब्यू, जुबिन नौटियाल के साथ जुड़ा नया म्यूजिक सफर

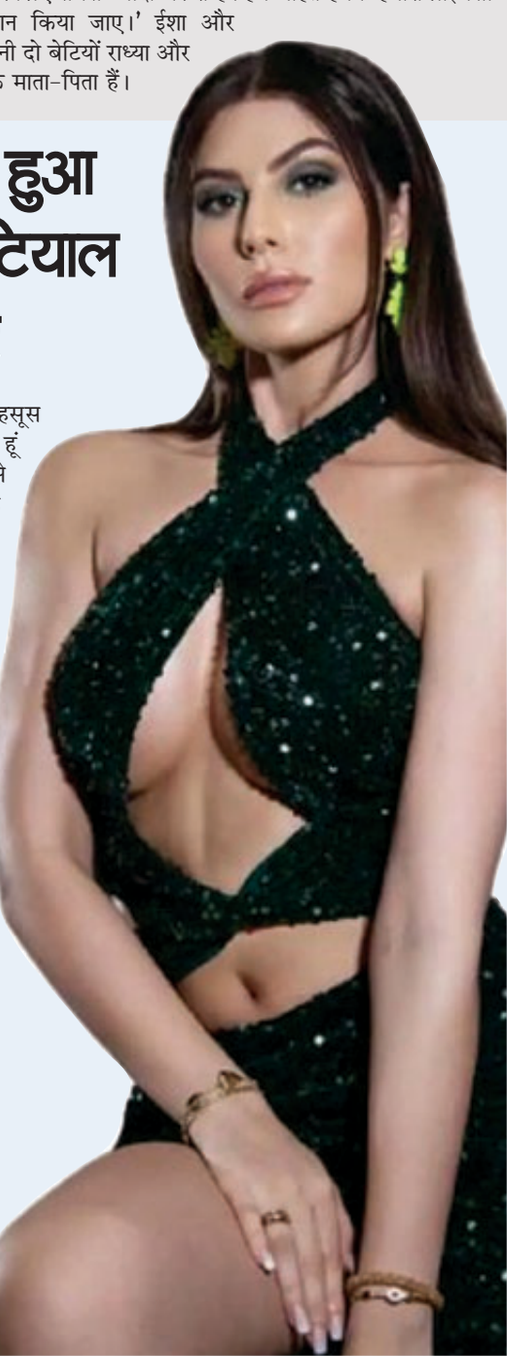

अभिनेत्री एलनाज नोरौजी ने अपने करियर का एक नया अध्याय शुरू किया है। उन्होंने गाने हुआ के जरिए हिंदी संगीत की दुनिया में कदम रखा है। इस गाने में उन्होंने मशहूर सिंगर जुबिन नौटियाल के साथ काम किया है। इस बीच, उन्होंने इस नए सफर को लेकर बात की है और जुबिन के साथ काम करने के अनुभव के बारे में खुलकर बताया। एलनाज नोरौजी ने कहा, संगीत हमेशा से मेरे दिल के बहुत करीब रहा है, लेकिन अब जाकर मुझे इसे पेशेवर रूप से अपनाने का मौका मिला है।

जुबिन नौटियाल जैसे अनुभवी और लोकप्रिय गायक के साथ अपने पहले हिंदी गाने की शुरुआत करना मेरे लिए बेहद खास अनुभव है। जब किसी कलाकार का पहला कदम ही इतने बड़े और सम्मानित संगीतकार के साथ जुड़ता है, तो वह अनुभव यादगार बन जाता है। यह मेरे लिए नई रचनात्मक यात्रा की शुरुआत है। गाने हुआ के बारे में बात करते हुए एलनाज ने इसे अपने करियर का एक अहम मोड़ बताया। उन्होंने कहा, जीवन में कुछ ऐसे पल आते हैं, जो हमेशा याद रह जाते हैं और यह गाना उन्हीं में से एक है। यह सिर्फ एक म्यूजिक प्रोजेक्ट नहीं है, बल्कि मेरे दिल के बहुत करीब एक सपना है, जिसे मैंने लंबे समय तक संजोकर रखा था। जब कोई सपना धीरे-धीरे सच होता है, तो उसकी खुशी शब्दों से ज्यादा महसूस की जाती है, और यह गाना मेरे लिए वही एहसास लेकर आया है।

एलनाज ने आगे कहा, भले ही मैं लंबे समय से अभिनय से जुड़ी रही हूं, लेकिन संगीत हमेशा मेरे अंदर कहीं न कहीं मौजूद था। जुबिन नौटियाल के साथ काम करना मेरे लिए बहुत खास रहा, क्योंकि उनकी आवाज में भावनाओं की गहराई और सच्चाई होती है। वह हर गाने को बहुत ईमानदारी और भावनाओं के साथ गाते हैं।

इस मौके पर जुबिन नौटियाल ने भी एलनाज की तारीफ की। उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए कहा, एलनाज की आवाज काफी मधुर है। उनके अंदर मेहनत करने की लगन दिखाई देती है। उन्होंने इस गाने के लिए समर्पण के साथ काम किया है और मैं उनके इस नए सफर से बेहद खुश हूं। मैं इस गाने और एलनाज दोनों पर गर्व महसूस करता हूं और मुझे खुशी है कि यह गाना लोगों के दिलों तक पहुंच रहा है।

अमृता राव ने याद किया अमिताभ बच्चन से जुड़ा एक खास किस्सा

अमृता राव ने 'दीवार: लेट्स ब्रिंग आवर हीरोज होम' की वर्षगांठ मनाई। इसके साथ ही अमृता ने उस बात को भी याद किया जब अमिताभ बच्चन ने उनकी फिल्म 'विवाह' को लेकर उनसे एक खास बात कही थी। अभिनेत्री अमृता राव ने हाल ही में अपनी फिल्मे 'दीवार: लेट्स ब्रिंग आवर हीरोज होम' की सालगिरह पर सोशल मीडिया पर एक पुरानी याद शेयर की है। उन्होंने बताया कि कैसे महानायक अमिताभ बच्चन ने उनकी सुपरहिट फिल्म 'विवाह' को लेकर उनसे कुछ खास कहा था।

'विवाह' की स्क्रीनिंग का किस्सा

अमृता ने इंस्टाग्राम पर अपनी 2004 में रिलीज हुई फिल्म 'दीवार: लेट्स ब्रिंग आवर हीरोज होम' का एक खास वीडियो शेयर किया। इसकी के साथ उन्होंने बताया कि जब अमिताभ बच्चन राजश्री ऑफिस में फिल्म 'विवाह' देखकर बाहर निकले, तो उन्होंने अमृता के अभिनय की बहुत तारीफ की थी। तारीफ करते हुए बिग बी ने अमृता को याद दिलाया कि वे दोनों फिल्म 'दीवार: लेट्स ब्रिंग आवर हीरोज होम' का हिस्सा तो थे, लेकिन फिल्म में उनका एक भी सीन साथ में नहीं था। किस्मत से कुछ साल बाद आई फिल्म 'सत्याग्रह' में अमृता को अमिताभ बच्चन की बहू का रोल निभाने का मौका मिला। इस फिल्म में शुरू से लेकर अंत तक उनके सारे सीन्स अमिताभ बच्चन के साथ ही थे।

'विवाह' के बारे में

2006 में रिलीज हुई फिल्म 'विवाह' दर्शकों को बेहद पसंद आई थी। सूरज बड़जात्या के निर्देशन में बनी यह फिल्म प्रेम (शाहिद कपूर) और पूनम (अमृता राव) की एक बेहद खूबसूरत और पारंपरिक प्रेम कहानी थी, जो बॉक्स ऑफिस पर बड़ी ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी। 2004 में रिलीज हुई फिल्म 'दीवार: लेट्स ब्रिंग आवर हीरोज होम' मिलन लूथरिया द्वारा निर्देशित है। अमृता राव ने साल 2016 में आरजे अनमोल से शादी की थी और 2020 में उनके बेटे 'वीर' का जन्म हुआ।

सिंगापुर में होगी तुम से तुम तक के खास ट्रैक की शूटिंग, निहारिका चौकसे ने जताया उत्साह

टीवी का लोकप्रिय शो तुम से तुम तक में एक नया और खास ट्रैक जुडने जा रहा है, जिसे लेकर शो की मुख्य अभिनेत्री निहारिका चौकसे काफी उत्साहित हैं। इस नए ट्रैक में उनके साथ अभिनेता शरद केलकर भी नजर आएंगे, और कहानी को एक नया मोड़ मिलेगा। निहारिका चौकसे ने कहा, शो का आने वाला हनीमून ट्रैक मेरे लिए बेहद खास है, क्योंकि यह कहानी का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है।

यह मोड़ मेरे किरदार अनु और शरद केलकर के किरदार आर्य की कहानी में एक बड़ा बदलाव लेकर आएगा। इस ट्रैक में दोनों किरदारों को एक साथ समय बिताने का मौका मिलेगा। निहारिका ने कहा, यह कहानी का एक ऐसा हिस्सा है, जिसमें अनु और आर्य रोजमर्रा की भागदौड़ और तनाव से दूर, अपने रिश्ते को समझने की कोशिश करेंगे। इस दौरान उनके बीच भावनात्मक जुड़ाव मजबूत होगा और दर्शकों को उनके रिश्ते का एक नया पहलू देखने को मिलेगा।

उन्होंने कहा, दर्शकों का प्यार ही किसी कलाकार के लिए सबसे बड़ी प्रेरणा होती है। अनु और आर्य की जोड़ी को दर्शकों से जो प्रतिक्रिया मिल रही है, वह पूरी टीम के लिए उत्साह बढ़ाने वाली है। इसी प्यार की वजह से टीम और मेहनत कर रही है ताकि कहानी को और बेहतर तरीके से पेश किया जा सके और दर्शकों को एक नया अनुभव मिल सके।

उन्होंने बताया कि इस खास ट्रैक की शूटिंग के लिए पूरी टीम जल्द सिंगापुर रवाना होने वाली है। यह शूटिंग जुलाई में होगी और लगभग एक हफ्ते तक चलेगी। विदेश में शूटिंग करना हमेशा एक अलग अनुभव होता है, क्योंकि वहां का माहौल, लोकेशन और काम करने का तरीका सब कुछ नया होता है। इस वजह से पूरी टीम में काफी उत्साह है और सभी लोग इस नए शेड्यूल को लेकर उत्सुक हैं।

निहारिका ने कहा, जब टीम एक साथ किसी नए देश या जगह पर शूट करती है, तो उनके बीच की बॉन्डिंग भी और मजबूत हो जाती है। हालांकि ऐसे शेड्यूल थोड़े थकाने वाले जरूर होते हैं, लेकिन नए अनुभव और टीम के साथ बिताया गया समय इसे यादगार बना देता है।

च्यूइंग गम को लेकर लोगों को हैं ये भ्रम, इनकी सच्चाई जानना है अहम

च्यूइंग गम का सेवन करते समय कई लोग इससे जुड़े भ्रमों पर विश्वास कर लेते हैं। इनकी सच्चाई जानने के लिए कई शोध भी हुए हैं, जिनके मुताबिक च्यूइंग गम का सेवन करने से कई स्वास्थ्य लाभ मिल सकते हैं। हालांकि, इसके अधिक सेवन से कुछ नुकसान भी हो सकते हैं। आइए आज हम आपको च्यूइंग गम से जुड़े कुछ भ्रम और उनकी सच्चाई बताते हैं, ताकि आप इसके सेवन से होने वाले फायदे और नुकसान को समझ सकें।

भ्रम- च्यूइंग गम खाने से निकलता है पाचन रस

यह सबसे आम भ्रम है कि च्यूइंग गम चबाने से पाचन रस निकलता है, जो कि गलत है। शोधों से पता चला है कि च्यूइंग गम चबाने से पाचन रस नहीं निकलता है। हालांकि, च्यूइंग गम चबाने से मुंह में लार बनती है, जो पाचन में मदद करती है। लार में पाचन के लिए कुछ तत्व होते हैं, जो खाने को पचाने में मदद करते हैं। हालांकि, यह पाचन के लिए पर्याप्त नहीं है।

भ्रम- च्यूइंग गम चबाने से फूलता है पेट

यह एक और सामान्य भ्रम है कि च्यूइंग गम चबाने से पेट फूलता है। हालांकि, वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखा जाए तो ऐसा कुछ नहीं होता है। अगर आप च्यूइंग गम चबाते हैं तो आपके मुंह में अधिक हवा जा सकती है, जिससे गैस बनती है और पेट फूलता हुआ लग सकता है। हालांकि, यह महज एक अनुमान है। अगर आप अधिक मात्रा में च्यूइंग गम खाते हैं तो इससे आपका पेट नहीं फूलेगा।

भ्रम- च्यूइंग गम चबाने से पाचन तंत्र होता है प्रभावित

कई लोग मानते हैं कि च्यूइंग गम खाने से पाचन तंत्र खराब होता है, लेकिन यह पूरी तरह से गलत है। शोध बताते हैं कि च्यूइंग गम चबाने से पाचन तंत्र पर कोई बुरा असर नहीं पड़ता। इसके विपरीत, यह मुंह की सफाई में मदद करता है और लार उत्पादन बढ़ाता है, जो पाचन में सहायक होता है। हालांकि, ध्यान रखें कि अधिक मात्रा में च्यूइंग गम खाने से कुछ नुकसान हो सकते हैं।

भ्रम- च्यूइंग गम खाने से दांत हो जाते हैं खराब

यह भी एक सामान्य भ्रम है कि च्यूइंग गम खाने से दांत खराब हो जाते हैं। यह सच है कि अगर आप शक्कर युक्त च्यूइंग गम खाते हैं तो इससे दांतों पर प्लाक जमा हो सकता है, जो कैविटी का कारण बन सकता है। इसलिए, शक्कर रहित विकल्प चुनें या कम मात्रा में शक्कर वाले च्यूइंग गम खाएं। इसके अलावा नियमित ब्रशिंग और फ्लॉसिंग से भी दांतों की सफाई बनी रहती है।

भ्रम- च्यूइंग गम चबाने से किडनी पर पड़ता है बुरा असर

कुछ लोग मानते हैं कि च्यूइंग गम चबाने से किडनी पर बुरा असर पड़ता है, लेकिन यह पूरी तरह गलत है। वैज्ञानिक शोधों से पता चला है कि सामान्य मात्रा में च्यूइंग गम खाने से किडनी पर कोई बुरा असर नहीं पड़ता। हालांकि, अगर आप अधिक मात्रा में च्यूइंग गम खाते हैं तो इससे नकारात्मक प्रभाव नजर आ सकते हैं। इन भ्रमों की सच्चाई जानने के बाद आप अपनी सेहत का बेहतर ख्याल रख सकेंगे।

'छम्मा छम्मा' गाने में डांस नहीं करना चाहती थीं उर्मिला मातोंडकर, निर्देशक की इस बात से हुईं राजी

एक्ट्रेस उर्मिला मातोंडकर ने अपने करियर के सबसे बड़े गानों में से एक 'छम्मा छम्मा' के बारे में बात की है। इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 5 में स्पेशल गेस्ट के तौर पर शामिल हुईं एक्ट्रेस ने 'चाइना गेट' के आइकॉनिक डांस नंबर को बनाने के बारे में बताया। बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि डायरेक्टर राज कुमार संतोषी के मनाने से पहले उन्होंने शुरू में गाने में परफॉर्म न करने का फैसला किया था।

उन्होंने कहा 'मुझसे संपर्क किया गया और बताया गया कि चाइना गेट के मशहूर डायरेक्टर राज कुमार संतोषी जी चाहते थे कि मैं फिल्म के लिए एक आइटम सॉन्ग में गेस्ट अपीयरेंस करूं। तो मैं बिल्कुल इसके फेवर में नहीं थी क्योंकि आइटम सॉन्ग उस वक्त बहुत गलत तरीके से देखे जाते थे।'

उर्मिला ने बताया कि राज कुमार संतोषी ने उनसे सिर्फगाने में परफॉर्म करने के लिए नहीं कहा था। इसके बजाय, उन्होंने अपने बड़े मकसद के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि कैसे वह एक ऐसा डांस नंबर बनाना चाहते थे जिसे ऑडियंस वर्षों तक याद रखें। जब भी लोग डांस की बात करते हैं तो एक गाना है, जो आदमी की आंखों के सामने आता है। मुझे उस गाने से बेहतर गाना करना है।' निर्देशक की बातों ने आखिरकार एक्ट्रेस को प्रोजेक्ट में शामिल होने के लिए मना लिया। यह फैसला उनके करियर के सबसे अहम पलों में से एक बन गया, जिसमें 'छम्मा छम्मा' ने दर्शकों के बीच हमेशा के लिए पॉपुलैरिटी हासिल की।

उर्मिला ने यह बताकर भी सबको हैरान कर दिया कि इस बड़े गाने को कितनी जल्दी फिल्माया गया था। उन्होंने याद किया कि प्रोडक्शन शुरू होने से पहले उन्होंने कोरियोग्राफर गणेश मास्टर से बात की थी और उनसे शूटिंग शेड्यूल के बारे में पूछा था। उन्होंने बताया था कि यह गाना 12 दिन शूट में होना था, मगर इसकी शूटिंग तीन दिनों में पूरी हो गई।

खास खबर

पल्स पोलियो अभियानः 28 से 30 जून तक

मुंगेली। कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार राष्ट्रीय टीकाकरण कार्यक्रम के अंतर्गत जिले में 28 से 30 जून 2026 तक तीन दिवसीय पल्स पोलियो अभियान का आयोजन किया जाएगा। अभियान के तहत जिले के तीनों विकासखण्डों में 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के 01 लाख 19 हजार 505 बच्चों को पोलियो की जीवन रक्षक खुराक पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। कलेक्टर ने पंचायत, महिला एवं बाल विकास, शिक्षा, नगरीय प्रशासन, राजस्व, आयुष एवं स्वास्थ्य विभाग को आपसी समन्वय के साथ अभियान को सफल बनाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि कोई भी बच्चा पोलियो की खुराक से वंचित नहीं रहना चाहिए। कलेक्टर ने सभी अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने 0 से 05 वर्ष तक के प्रत्येक बच्चे को नजदीकी पोलियो बूथ पर अवश्य ले जाएं और पोलियो की दो बूंद पिलाकर उन्हें आजीवन अपंगता से सुरक्षित रखने में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शीला साहा ने बताया कि अभियान के प्रथम दिवस 28 जून को जिले में 810 पोलियो बूथ स्थापित किए गए हैं, जहां अभिभावक अपने बच्चों को लेकर पोलियो की दवा पिला सकेंगे।

लोक अदालत 18 जुलाई को

मुंगेली। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के मार्गदर्शन में 18 जुलाई को आयोजित होने वाली विशेष लोक अदालत की तैयारियों को लेकर जिला न्यायालय में बैठक आयोजित की गई। बैठक में चेक बाउंस प्रकरणों के अधिकाधिक राजीनामे के माध्यम से त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीमति गिरिजा देवी मेरावी ने कहा कि चेक बाउंस से संबंधित प्रकरण राजीनामा योग्य होते हैं, जिनका समाधान विशेष लोक अदालत के माध्यम से सरल, सुलभ और कम समय में किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि लोक अदालत में विवादों के सौहार्दपूर्ण निपटारे से पक्षकारों का समय, धन और अनावश्यक न्यायिक प्रक्रिया की बचत होती है तथा न्याय सुलभ और प्रभावी बनता है।

सिक्योरिटी गार्ड के 20 पदों पर वॉक-इन-इंटरव्यू 2 जुलाई को

रायपुर। समाज कल्याण विभाग द्वारा तृतीय लिंग समुदाय के व्यक्तियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 2 जुलाई 2026 को वॉक-इन-इंटरव्यू का आयोजन किया जाएगा। यह इंटरव्यू रायपुर स्थित संबल केंद्र, आईडीएसएमटी बिल्डिंग, महंत कॉलेज के पास, गांधी चौक में आयोजित होगा। इंटरव्यू का आयोजन प्रातः 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक किया जाएगा। इस वॉक-इन-इंटरव्यू में अलर्ट एस.जी.एस. प्राइवेट लिमिटेड द्वारा सिक्योरिटी गार्ड के कुल 20 पदों पर भर्ती की जाएगी। इस इंटरव्यू में प्रदेश के सभी जिलों के तृतीय लिंग समुदाय के पात्र अभ्यर्थी भाग ले सकते हैं। चयनित अभ्यर्थियों की पदस्थापना छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों में की जाएगी।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को अपनाने वाले ही भविष्य का नेतृत्व करेंगे : वित्त मंत्री

वित्त मंत्री ने मैक कॉलेज के राष्ट्रीय सम्मेलन में युवाओं से कहा- बदलती तकनीक के अनुरूप स्वयं को करें तैयार

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल कॉलेज (एमएआईसी) द्वारा आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन "Artificial Intelligence & Digital TransformationÑ Opportunities, Challenges and Future Impact" में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होकर युवाओं का आह्वान किया कि वे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और नई तकनीकों से भयभीत होने के बजाय उन्हें अपने भविष्य के निर्माण का सबसे बड़ा अवसर मानें।

अपने संबोधन में मंत्री चौधरी ने कहा कि आज पूरी दुनिया तेजी से ज्ञान, तकनीक और नवाचार आधारित अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रही है। भारत का स्वर्णिम इतिहास भी ज्ञान, शिक्षा और नवाचार की नींव पर खड़ा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत लगभग 1600 वर्षों तक विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था इसलिए रहा क्योंकि यहां शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार को सर्वोच्च स्थान दिया गया।

मंत्री श्री चौधरी ने युवाओं से कहा कि आज दुनिया के सबसे सफल उद्योगपति और उद्यमी वे हैं जिन्होंने नए विचारों और नवाचार के बल पर अपनी पहचान बनाई है। एलन मस्क, एनवीडिया और एप्पल जैसी कंपनियों का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि आज तकनीक की शक्ति इतनी बड़ी हो चुकी है कि कई टेक्नोलॉजी कंपनियों का मूल्यांकन अनेक देशों की अर्थव्यवस्था से भी अधिक है। इसलिए युवाओं को समय रहते तकनीकी परिवर्तन को समझकर स्वयं को उसके अनुरूप तैयार करना होगा।

वित्त मंत्री ने कहा कि जो एआई को अपनाएगा वही भविष्य का नेतृत्व करेगा। जो इससे दूर भागेगा, वह प्रतिस्पर्धा में पीछे रह जाएगा। उन्होंने कहा कि हर तकनीकी परिवर्तन चुनौतियां लेकर आता है, लेकिन वही परिवर्तन नए अवसर भी पैदा करता है। आवश्यकता इस बात की है कि युवा इन अवसरों का लाभ उठाएं।

उन्होंने कहा कि एआई कई कार्यों को सरल बना सकता है, लेकिन मानवीय संवेदनशीलता, करुणा और मानवीय स्पर्श का विकल्प कभी नहीं बन सकता। इसलिए युवाओं को ऐसे क्षेत्रों में भी आगे बढ़ना चाहिए जहां मानवीय मूल्यों की महत्वपूर्ण भूमिका है, जैसे स्वास्थ्य सेवाएं, नर्सिंग और अन्य सेवा क्षेत्र। मंत्री श्री चौधरी ने युवाओं से आग्रह किया कि वे केवल नौकरी तलाशने तक सीमित न रहें, बल्कि नवाचार और उद्यमिता की दिशा में भी आगे बढ़ें तथा विश्वस्तरीय स्टार्टअप और तकनीकी कंपनियां स्थापित करने का लक्ष्य रखें। उन्होंने कहा कि भारतीय युवाओं में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है और पूरी दुनिया में भारतीय तकनीकी नेतृत्व का लोहा माना जाता है।

उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत ञ2047 के विजन से प्रेरित होकर छत्तीसगढ़ सरकार भी मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ अंजोर विजन ञ2047 पर कार्य कर रही है। इस दिशा में नवा रायपुर को उभरते तकनीकी और नवाचार केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। यहां सेमीकंडक्टर यूनिट, एआई डाटा सेंटर तथा ट्रिपल आईटी में अत्याधुनिक अनुसंधान सुविधाओं सहित अनेक महत्वपूर्ण परियोजनाओं पर तेजी से कार्य हो रहा है।

कार्यक्रम के अंत में वित्त मंत्री ओ.पी. चौधरी ने सम्मेलन के सफल आयोजन के लिए महाराजा अग्रसेन इंटरनेशनल कॉलेज प्रबंधन, आयोजकों एवं सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं को भविष्य की चुनौतियों और अवसरों के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि छत्तीसगढ़ के युवा नवाचार और तकनीक के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेंगे।

बस्तर क्षेत्र का सर्वांगीण विकास सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता

बेहतर सड़क संपर्क से शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और व्यापार को मिलेगी नई गति

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए लगातार कार्य कर रही है। इसी कड़ी में वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप ने आज मर्दापाल क्षेत्र के ग्राम मड़ागांव में लगभग 8 करोड़ 63 लाख 78 हजार रुपये की लागत से विभिन्न सड़क एवं पुल-पुलिया निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया।

भूमिपूजन के अंतर्गत खोड़सानार से नवागांव तक 2.30 किलोमीटर डामरीकरण सड़क निर्माण, बांसगांव-जोगियालवाड़ मार्ग पर फेटकी नाला में मध्यम पुल का निर्माण, मर्दापाल-बयानार मार्ग पर नवागांव से एहरा तक पुलिया एवं एप्रोच निर्माण, आदनार क्षेत्र में तीन पुलियों का निर्माण तथा तोड़म मेन रोड से मुंडापारा तक 2.65 किलोमीटर सड़क निर्माण कार्य शामिल हैं। इन कार्यों के पूर्ण होने से क्षेत्र के हजारों ग्रामीणों को बेहतर आवागमन की सुविधा मिलेगी। विशेष रूप से बारिश के मौसम में आने-जाने की वर्षों पुरानी समस्या का समाधान होगा और गांवों की सड़क संपर्क व्यवस्था अधिक मजबूत होगी।

इस अवसर पर वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार का उद्देश्य विकास को गांव-गांव तक पहुंचाना है। दूरस्थ क्षेत्रों में सड़क, पुल और अन्य मूलभूत सुविधाओं का तेजी से विस्तार किया जा रहा है ताकि प्रत्येक नागरिक को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

उन्होंने कहा कि अच्छी सड़कें किसी भी क्षेत्र के विकास की आधारशिला होती हैं। बेहतर सड़क संपर्क से किसानों को अपनी उपज बाजार तक पहुंचाने में सुविधा मिलती है, विद्यार्थियों को शिक्षा, मरीजों को समय पर स्वास्थ्य सेवाएं और आम नागरिकों को सुरक्षित एवं सुगम आवागमन का लाभ मिलता है।

बस्तर के समग्र विकास के लिए सरकार प्रतिबद्ध

वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि बस्तर क्षेत्र का सर्वांगीण विकास राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। सड़क, पुल, शिक्षा, स्वास्थ्य, सिंचाई तथा जनकल्याण से जुड़े कार्यों को तेजी से पूरा किया जा रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इन निर्माण कार्यों के पूर्ण होने के बाद मर्दापाल क्षेत्र की विकास यात्रा को नई गति मिलेगी और हजारों ग्रामीणों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आएगा। इस अवसर पर जनपद पंचायत अध्यक्ष अनीता कोर्राम, उपाध्यक्ष टोमेंद्र ठाकुर, जिला पंचायत सदस्य यशोदा कश्यप सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

छात्रावासों में लापरवाही पर सख्त कार्रवाई, भृत्य और अधीक्षक निलंबित

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सुशासन, जवाबदेही और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व्यवस्था के संकल्प के अनुरूप सुकमा जिले में छात्रावासों एवं आश्रमों की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए जिला प्रशासन लगातार सक्रिय है। शैक्षणिक सत्र 2026-27 प्रारंभ होने से पहले कलेक्टर के नेतृत्व में छात्रावासों का औचक निरीक्षण किया गया, जिसमें लापरवाही और अव्यवस्था पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के विरुद्ध तत्काल अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई।

25 जून को कलेक्टर एवं सहायक आयुक्त द्वारा किए गए औचक निरीक्षण में कई छात्रावासों एवं आश्रमों में साफ-सफाई की कमी, अधिकारियों एवं कर्मचारियों की अनुपस्थिति तथा संचालन में लापरवाही जैसी गंभीर कमियां पाई गईं। पूर्व में समीक्षा बैठक में दिए गए निर्देशों के बावजूद सुधार नहीं होने पर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया।

निरीक्षण के दौरान मिली अनियमितताओं के आधार पर संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध निलंबन तथा प्रभार से पृथक करने की कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दायरे में कन्या आश्रम दुब्बाटोटा की अधीक्षिका श्रीमती सुशीला कवासी, प्री-मैट्रिक बालक छात्रावास दुब्बाटोटा के अधीक्षक पुनेम हिरमा, पोस्ट-मैट्रिक कन्या छात्रावास की अधीक्षिका श्रीमती सविता यादव तथा प्री-मैट्रिक बालक छात्रावास के भोजराज ठाकुर शामिल हैं। छात्रावासों का संचालन प्रभावित न हो, इसके लिए जिला प्रशासन ने तत्काल वैकल्पिक अधिकारियों को जिम्मेदारी भी सौंप दी है।

शिक्षा के क्षेत्र में सूरजपुर की ऊंची उड़ान : राज्य के शीर्ष पांच में जिले के तीन पीएम श्री विद्यालय

श्रीकंचनपथ समाचार

सूरजपुर। पीएम श्री विद्यालयों के प्राचार्यों की राज्य स्तरीय प्रशिक्षण कार्यशाला रायपुर में आयोजित की गई, जिसमें जिले की उपलब्धियों ने सूरजपुर को पूरे छत्तीसगढ़ में गौरवान्वित किया है।

पीएम श्री नोडल चंद्रपाल कुशवाहा के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यशाला में पीएम श्री प्राथमिक, पूर्व माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के प्रधान पाठकों एवं प्राचार्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रतिभागियों ने विद्यालयों की गुणवत्ता, नवाचार, प्रभावी नेतृत्व तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभावी क्रियान्वयन जैसे विषयों पर गहन प्रशिक्षण प्राप्त किया।

जिले के लिए सर्वाधिक गौरव का विषय यह रहा कि विगत तीन वर्षों के पीएम श्री विद्यालयों के प्रदर्शन मूल्यांकन में राज्य के शीर्ष पाँच विद्यालयों में सूरजपुर जिले के तीन विद्यालयों ने स्थान प्राप्त किया। इनमें पीएम श्री शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय जयनगर, पीएम श्री स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय बतरा तथा पीएम श्री शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय प्रेमनगर सम्मिलित हैं। यह उपलब्धि जिले की उत्कृष्ट शैक्षणिक संस्कृति, दूरदर्शी नेतृत्व एवं समर्पित शिक्षकों के सामूहिक प्रयासों का प्रमाण है।

कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने इस उपलब्धि पर खुशी ज़ाहिर करते हुए कहा कि राज्य के शीर्ष पाँच पीएम श्री विद्यालयों में जिले के तीन विद्यालयों का स्थान बनाना समस्त शिक्षक साथियों, प्राचार्यों एवं विद्यार्थियों के सतत परिश्रम का प्रतिफल है। उन्होंने कहा कि यह सफलता सामूहिक प्रयासों का प्रमाण है, किंतु इसे अंतिम लक्ष्य न मानते हुए निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा के रूप में लिया जाना चाहिए। कलेक्टर ने कहा कि जिला प्रशासन का प्रयास है कि शिक्षा की यह गुणवत्ता केवल चुनिंदा विद्यालयों तक सीमित न रहे, बल्कि जिले के प्रत्येक विद्यालय एवं प्रत्येक विद्यार्थी तक पहुँचे। उन्होंने शिक्षकों एवं प्राचार्यों से आह्वान किया कि वे इसी समर्पण के साथ कार्य करते हुए सूरजपुर को शिक्षा के क्षेत्र में एक आदर्श जिला बनाने में अपना योगदान दें। जिला शिक्षा अधिकारी अजय कुमार मिश्रा ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि पीएम श्री विद्यालय योजना का मूल उद्देश्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की भावना के अनुरूप विद्यालयों को गुणवत्तापूर्ण, अनुकरणीय एवं भविष्योन्मुखी शिक्षा का केंद्र बनाना है। यहाँ के शिक्षकों की कठोर मेहनत, प्राचार्यों के प्रभावी नेतृत्व एवं विद्यार्थियों की लगन का प्रत्यक्ष प्रमाण है। श्री मिश्रा ने कहा कि शिक्षा विभाग निरंतर इस दिशा में प्रयासरत है कि जिले के समस्त विद्यालयों में शिक्षण की गुणवत्ता, नवाचार एवं अधोसंरचना को और सुदृढ़ किया जाए, ताकि प्रत्येक विद्यार्थी को उत्कृष्ट शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध हो सके। उन्होंने समस्त प्राचार्यों, प्रधान पाठकों एवं शिक्षकों को इस सफलता के लिए बधाई देते हुए भविष्य में और बेहतर परिणाम देने का आह्वान किया। जिला मिशन समन्वयक मनोज कुमार साहू ने उपलब्धि पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जिला प्रशासन के कुशल निर्देशन में सूरजपुर केवल उत्कृष्ट परिणामों के कारण नहीं, बल्कि सीखने की संस्कृति, टीमवर्क एवं नवाचार की सोच के कारण पूरे राज्य में अपनी विशिष्ट पहचान बना रहा है। उन्होंने कहा कि यह सफलता प्रत्येक प्राचार्य, प्रधान पाठक, शिक्षक, विद्यार्थी, अभिभावक एवं शिक्षा विभाग के सामूहिक समर्पण का प्रतिफल है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सूरजपुर आने वाले वर्षों में भी शिक्षा के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित करता रहेगा।

धमतरी की लोमेश्वरी साहू की जुबानी, डिजिटल सशक्तिकरण और भरोसे की अनकही कहानी

जनता के द्वार, डिजिटल सरकारः छत्तीसगढ़ में सुशासन का नया चेहरा बना 'सेवा सेतु'

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। आधुनिक युग में जब तकनीक आम आदमी के जीवन को सुगम बनाने का माध्यम बन जाए, तो वह सुशासन की सबसे बड़ी सफलता कहलाती है। छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी डिजिटल पहल 'सेवा सेतु पोर्टल' आज कुछ ऐसा ही कमाल कर रही है। यह पोर्टल प्रदेश के आम नागरिकों के लिए एक भरोसेमंद साथी बनकर उभरा है, जिसने सरकारी दफ्तरों की जटिल प्रक्रियाओं को घर बैठे एक क्लिक पर समेट दिया है।

इस डिजिटल क्रांति की एक जीवंत मिसाल बनी हैं धमतरी जिले के कुरूद तहसील के ग्राम करेली की रहने वाली कु. लोमेश्वरी साहू। लोमेश्वरी की कहानी इस बात का प्रमाण है कि कैसे 'सेवा सेतु' ने आमजन के समय, श्रम और धन की बचत कर उनके जीवन में एक सकारात्मक बदलाव लाया है। अपने बीते अनुभवों को साझा करते हुए लोमेश्वरी साहू बताती हैं कि पहले किसी भी शासकीय प्रमाण पत्र को बनवाना एक थका देने वाली प्रक्रिया थी। उन्हें और उनके जैसे कई ग्रामीणों को तहसील कार्यालय के बार-बार चक्कर लगाने पड़ते थे। पहले आवेदन करने के लिए बस का किराया लगाकर शहर जाओ, फिर दफ्तरों के चक्कर काटो। कई बार जरूरी दस्तावेजों की पूरी जानकारी न होने के कारण काम अटक जाता था। इससे समय तो बर्बाद होता ही था, साथ ही जेब पर भी अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ता था। लोमेश्वरी के लिए 'सेवा सेतु' पोर्टल एक वरदान साबित हुआ। जब उन्हें अपने जाति प्रमाण पत्र की आवश्यकता हुई, तो उन्होंने किसी कार्यालय के चक्कर काटने के बजाय घर बैठे ही सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन किया। बेहद सरल प्रक्रिया का पालन करते हुए उन्होंने जरूरी दस्तावेज अपलोड किए और अपने मोबाइल से ही आवेदन की स्थिति को ट्रैक करती रहीं। नतीजा यह हुआ कि बिना किसी भाग-दौड़ के, निर्धारित समय-सीमा के भीतर उनका जाति प्रमाण पत्र बनकर तैयार हो गया। कुरूद के एसडीएम ने उन्हें यह प्रमाण पत्र सौंपा। लोमेश्वरी कहती हैं कि इस पारदर्शी व्यवस्था ने उन्हें दफ्तरों की कतारों और आवागमन के खर्च, दोनों से हमेशा के लिए मुक्ति दिला दी।

लोमेश्वरी साहू का मानना है कि इस ऑनलाइन व्यवस्था ने शासकीय सेवाओं को न केवल सुलभ बनाया है, बल्कि पूरी प्रक्रिया में गजब की पारदर्शिता ला दी है। अब नागरिकों को अपने काम के लिए किसी पर निर्भर नहीं रहना पड़ता, जिससे शासन और प्रशासन के प्रति जनता का विश्वास और अधिक मजबूत हुआ है।

धमतरी जिले की यह सफलता की कहानी इस बात का सशक्त उदाहरण है कि डिजिटल तकनीक के सही इस्तेमाल से शासकीय सेवाओं की पहुंच और गुणवत्ता को कितना बेहतर किया जा सकता है। आज 'सेवा सेतु' पोर्टल त्वरित, पारदर्शी और विश्वसनीय सेवाएं प्रदान कर जनता के द्वार, डिजिटल सरकार की परिकल्पना को धरातल पर सच कर रहा है।

डिजिटल तकनीक से सुदृढ़ हुआ 'जन-विश्वास'

सेवा सेतु पोर्टल ने पारंपरिक शासकीय प्रक्रियाओं को पूरी तरह बदलकर रख दिया है। इसके जरिए अब नागरिकों को सरकारी कार्यालयों के चक्कर काटने से मुक्ति मिल गई है, जिससे उनके समय और श्रम की भारी बचत हो रही है। घर बैठे आवेदन की सुविधा मिलने से न केवल आवागमन का खर्च बंद हुआ है, बल्कि बिचौलियों पर निर्भरता खत्म होने से आम जनता को बड़ी आर्थिक राहत भी मिली है। इस पूरी व्यवस्था की सबसे बड़ी खासियत इसकी शत-प्रतिशत पारदर्शिता है, जिसके तहत आवेदक अपने मोबाइल या कंप्यूटर से स्वयं आवेदन की स्थिति को ट्रैक कर सकते हैं। इसके अलावा, यह पोर्टल समयबद्ध सेवाएं सुनिश्चित करता है, जिससे सभी आवश्यक प्रमाण पत्र और शासकीय लाभ तय समय-सीमा के भीतर सीधे नागरिकों तक पहुँच रहे हैं।

नशा मुक्त भारत अभियान : जनसहभागिता का संबल

रायपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशन तथा छत्तीसगढ़ शासन के समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित नशा मुक्त भारत अभियान के तहत जिले में नशामुक्त भारत सप्ताह और नशीले पदार्थों की अवैध तस्करी विरोधी सप्ताह पर विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। अभियान के समापन पर जिला जेल रायगढ़ में नशामुक्ति जागरूकता कार्यक्रम हुआ। यहां बंदियों को नशे से दूर रहकर स्वस्थ और सकारात्मक जीवन अपनाने का संकल्प दिलाया गया। नशीले पदार्थों के दुष्परिणाम, उनके सामाजिक- परिवारिक प्रभाव और स्वस्थ जीवनशैली के फायदे बताए गए। गीत-संगीत और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के जरिए भी नशामुक्ति का प्रभावी संदेश दिया गया, जिसे सभी ने सराहा।

CAR DECOR
House Of Exclusive
Seat Cover,
Car Stereos Matting &
Sun Control Film &
Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower.
Opp. Indian Coffee House,
Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM
Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES
FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden)
Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles,
CPVC Pipes &
Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

गुंडरदेही गांव में 10 वर्षीय बालक को ट्रक ने कुचला

गुंडरदेही। नवगठित जिला मोहला मानपुर अंबागढ़ चौकी जिले में एक दर्दनाक घटना सामने आई है,सुबह लगभग 11 बजे जिले के अंबागढ़ चौकी थाना क्षेत्र के गुंडरदेही गांव में सड़क के किनारे चल रहे एक 10 वर्षीय बालक को ट्रक ने अपने चपेट में ले लिया। सुबह लगभग 11 बजे जिले के अंबागढ़ चौकी थाना क्षेत्र के गुंडरदेही गांव में सड़क के किनारे चल रहे एक 10 वर्षीय बालक को ट्रक ने अपने चपेट में ले लिया,ट्रक की चपेट में आने से बच्चे की मौके पर मौत हो गई,ग्रामीणों ने घटना की सूचना तुरंत पुलिस को दी और आक्रोशित ग्रामीणों ने बच्चे का शव सड़क पर रख कर राजनांदगांव चंद्रपुर स्टेट हाइवे जाम कर दिया,मौके पर पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी पहुंचे। घटना स्थल से लगभग 70 किलो मीटर जाने के बाद नेशनल हाईवे 930 में कोरकट्टी ग्राम के पास ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क के नीचे उतरकर दुर्घटना ग्रस्त हो गई,ट्रक दुर्घटना ग्रस्त होने पर ट्रक ड्राइवर घायल हो गया,इधर पुलिस ने मानवता दिखाते हुए आरोपी ट्रक ड्राइवर को मानपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया,घटना के बाद मौके पर लोगो की भीड़ जमा हो गई,पुलिस अब आरोपी ड्राइवर पर विधिवत कार्रवाई करेगा।

51 किलो गांजा के साथ अंतरराज्यीय तस्कर गिरफ्तार

महासमुंद। ओडिशा से छत्तीसगढ़ की ओर एक कार में अवैध गांजा परिवहन किया जा रहा है। सूचना के आधार पर एनएच-53 स्थित रेहटीखोल में नाकाबंदी की गई। इसी दौरान मारुति सुजुकी कार को रोकने का प्रयास किया गया। पूछताछ में चालक ने अपना नाम आलोक कुमार चौहान (32 वर्ष) निवासी जिला मैनपुरी, उत्तर प्रदेश बताया। वहीं फरार आरोपी की पहचान संजीव कुमार, निवासी पश्चिम सागरपुर, दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान कार में रखी तीन प्लास्टिक बोरियों से 51 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ, जिसकी कीमत 25 लाख 50 हजार रुपये आंकी गई है। पुलिस ने गांजा परिवहन में प्रयुक्त कार, जिसकी कीमत 5 लाख रुपये तथा एक मोबाइल फोन भी जब्त किया है। वह गांजा को भुवनेश्वर से कानपुर ले जाकर बेचने की तैयारी में था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(बी) के तहत मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है, फरार आरोपी की तलाश जारी है। इस दौरान 254 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें 62 छत्तीसगढ़ और 192 अन्य राज्यों के निवासी हैं।

दस्तावेज नहीं दिखाने पर 2.85 टन कबाड़ से भरी पिकअप जब्त

रायगढ़। जिले में अवैध कबाड़ कारोबार पर कार्रवाई के दौरान पूंजीपथरा क्षेत्र से बिना वैध दस्तावेज 2.85 टन कबाड़ से भरी पिकअप जब्त की गई। कबाड़ खरीद रहे कारोबारी से जब माल के स्रोत और खरीद से जुड़े दस्तावेज मांगे गए तो वह कोई रिकॉर्ड प्रस्तुत नहीं कर सका। इसके बाद पुलिस ने चोरी की संपत्ति होने की आशंका में कबाड़ और वाहन जब्त कर मामला दर्ज किया। ग्राम पूंजीपथरा बस्ती में दबिश के दौरान एक पिकअप वाहन में कबाड़ खरीदा जा रहा था। पूछताछ में चालक ने अपना नाम बलवंत सारथी(40) निवासी ग्राम हाटी, थाना छाल बताया। वाहन की जांच में करीब 2.85 टन कबाड़ मिला, जिसकी अनुमानित कीमत 85,500 रुपए आंकी गई। कबाड़ की खरीदी-बिक्री से संबंधित कोई वैध दस्तावेज नहीं मिलने पर पुलिस ने करीब 6 लाख रुपए कीमत की पिकअप समेत कुल 6.85 लाख रुपए की संपत्ति जब्त कर ली। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में अपराध दर्ज कर न्यायालय में पेश किया है। शुरुआती जांच में कबाड़ के स्रोत और उसके स्वामित्व से जुड़े दस्तावेज नहीं मिलने के कारण मामले की जांच की जा रही है कि यह सामग्री कहां से लाई गई और इसकी खरीद-बिक्री किस आधार पर की जा रही थी।

कटघोरा में दो ट्रेलरों की टक्कर, एक चालक की मौत

भालूमोड़ के पास हादसा, केबिन में फंसे शव को मुश्किल से निकाला गया

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कोरबा के कटघोरा थाना क्षेत्र अंतर्गत भालूमोड़ के पास शनिवार सुबह एक भीषण सड़क हादसा हुआ। यहां दो तेज रफ्तार ट्रेलरों की आमने-सामने की टक्कर में एक चालक की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, यह हादसा सुबह के समय हुआ जब दोनों ट्रेलर तेज गति से एक-दूसरे की ओर आ रहे थे। नियंत्रण खोने के कारण आमने-सामने भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों वाहनों के परखच्चे उड़ गए और एक ट्रेलर का चालक केबिन में बुरी तरह फंस गया।

सूचना मिलते ही कटघोरा पुलिस की टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर कटर की मदद से ट्रेलर की केबिन काटी और चालक के शव को बाहर निकाला। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

मृतक की पहचान की पुष्टि की जा रही है। पुलिस ने मृतक के परिजनों और वाहन मालिक को हादसे की सूचना दे दी है और उनके पहुंचने का इंतजार किया जा रहा है। हादसे के बाद दूसरे ट्रेलर का चालक वाहन मौके पर छोड़कर फरार हो गया।

फरार ट्रेलर चालक की तलाश में पुलिस जुटी

पुलिस अब फरार ट्रेलर और उसके चालक की तलाश में जुटी है। सीसीटीवी फुटेज और आसपास के लोगों से पूछताछ कर वाहन की पहचान की जा रही है। शुरुआती जांच में तेज रफ्तार को हादसे का मुख्य कारण माना जा रहा है।

गैर इरादतन हत्या और हिट एंड रन का मामला दर्ज होने की तैयारी

फरार ट्रेलर चालक के खिलाफ गैर इरादतन हत्या और हिट एंड रन का मामला दर्ज किया जाएगा। वाहन के नंबर के आधार पर मालिक का पता लगाया जा रहा है। कटघोरा थाना पुलिस ने लोगों से अपील की है कि हाईवे पर वाहन चलाते समय गति सीमा का ध्यान रखें और लापरवाही न बरतें।

जांजगीर-चांपा की प्रकाश इंडस्ट्री में 40 वर्षीय श्रमिक की मौत

ऊंचाई से गिरने से हुआ हादसा, इलाज के दौरान गई जान, जांच में जुटी पुलिस

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। जांजगीर-चांपा जिले के चांपा स्थित प्रकाश इंडस्ट्री में एक श्रमिक की मौत हो गई। 40 वर्षीय गोरेलाल कवर काम के दौरान ऊंचाई से गिर गया, जिससे यह हादसा हुआ। गोरेलाल कुम्हारी खुर्द का निवासी था।

मिली जानकारी के अनुसार, दोपहर करीब 1 से 1:30 बजे के बीच गोरेलाल प्लांट के इलेक्ट्रिकल फील्ड में काम कर रहा था। वह ठेकेदार श्याम लाल साहू के अधीन कार्यरत था। बताया गया कि गोरेलाल लगभग 8 फीट की ऊंचाई पर चढ़कर एंगल की कटाई कर रहा था, तभी अचानक उसका संतुलन बिगड़ गया और वह नीचे गिर गया।

इलाज के दौरान गई जान

हादसे के बाद उसे प्लांट के भीतर ही शुरूआती इलाज दिया गया। उसकी गंभीर हालत को देखते हुए उसे तत्काल जांजगीर के जिला अस्पताल रेफर किया गया। अस्पताल में इलाज के दौरान डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

फिलहाल चांपा पुलिस इस पूरे मामले की जांच कर रही है। इस घटना के बाद प्लांट प्रबंधन की ओर से सुरक्षा मानकों में लापरवाही को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

बच्चियों की पढाई सहित परिवार को मिला मुआवजा

मृतक गोरे लाल कंवर के परिजनों को पीआईएल (प्रकाश इंडस्ट्री) की ओर से 2.50 लाख रुपए की सहायता राशि दी जाएगी, ठेकेदार श्याम लाल साहू की ओर से 2.50 लाख रुपए दी जाएगी। साथ ही 50 हजार रुपए की सहायत राशि तत्काल प्रदान की गई है।

साथ ही दो बच्चियों की पढाई का पूरा खर्च पीआईएल पावर प्लांट उठाएगा। दोनो बच्चियों की पढ़ाई पूरी होने पर नौकरी भी दी जाएगी। तब जाकर जिला अस्पताल में चल रहे हंगामे का मामला शांत हुआ और शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया गया है।

यातायात मुख्यालय से जब्त एक्टिवा चोरीः ढाई महीने बाद वाहन लेने पहुंचे मालिक, परिसर से गायब मिली

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी में पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करने वाला मामला सामने आया है। यातायात मुख्यालय परिसर में जब्त कर खड़ी की गई एक एक्टिवा चोरी हो गई।

पुलिस के मुताबिक, प्रधान आरक्षक शरद धनगर ने शिकायत दर्ज कराई है। 3 मार्च को यातायात थाना फाफाडीह की टीम शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ अभियान चला रही थी।

इस दौरान चालक विष्णु यादव को नशे की हालत में एक्टिवा चलाते हुए पकड़ा गया। जांच में उसके पास ड्राइविंग लाइसेंस भी नहीं मिला। वाहन पर तीन लोग सवार थे और नंबर प्लेट भी नियमों के अनुसार नहीं थी। इसके

बाद मोटरयान अधिनियम के तहत कार्रवाई करते हुए एक्टिवा जब्त कर ली गई।

यातायात थाना फाफाडीह परिसर में जब्त वाहनों को रखने के लिए पर्याप्त जगह नहीं थी। इसलिए 29 मार्च को एक्टिवा को गुरुकुल कॉम्प्लेक्स के पास स्थित यातायात मुख्यालय परिसर में खड़ा कर दिया गया। वाहन का पंजीयन पूनम भोयर के नाम पर बताया गया है। करीब ढाई महीने बाद 15 जून को चालक विष्णु यादव वाहन छुड़ाने पहुंचा, लेकिन मुख्यालय परिसर में एक्टिवा नहीं मिली। इसके बाद पुलिस अधिकारियों को सूचना दी गई और मामले की जांच शुरू की गई।

यातायात मुख्यालय जैसे संवेदनशील सरकारी परिसर से जब्त वाहन का चोरी हो जाना पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर रहा है।

फिलहाल कोतवाली थाना पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त तारकेश्वर पटेल ने मामले की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि इस घटना की शिकायत कोतवाली थाने में दर्ज की गई है। गाड़ी चोरी के मामले में केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

रायपुर में गांजा तस्कर की 2.32 करोड़ की संपत्ति जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई को आगे बढ़ाते हुए पुलिस ने गांजा तस्कर हेमराज राव की करीब 2.32 करोड़ राजधानी में मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई को आगे बढ़ाते हुए पुलिस ने गांजा तस्कर हेमराज राव की करीब 2.32 करोड़ रुपये की चल-अचल संपत्ति जब्त कर ली है। कार्रवाई सफेमा (SAFEMA) एक्ट के तहत की गई है। इसके अलावा आरोपी के बैंक खातों में जमा लाखों रुपये की राशि भी फ्रीज कराई गई है।

पुलिस के अनुसार, उरला थाना में वर्ष 2025 में एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(बी) के तहत दर्ज मामले में 9 दिसंबर 2025 को हेमराज राव को गिरफ्तार किया गया था। उसके कब्जे से 1.390 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया था। जांच में सामने आया कि आरोपी लंबे समय से मादक पदार्थों की तस्करी में संलिप्त रहा है।

वर्तमान में उसके खिलाफ पीआईटी-एनडीपीएस एक्ट के तहत भी कार्रवाई की जा चुकी है और वह जेल में निरुद्ध है।

जांच के दौरान पुलिस ने पाया कि आरोपी और उसके परिवार के नाम पर अवैध कमाई से अर्जित संपत्तियां मौजूद हैं। इसके बाद सफेमा न्यायालय में प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। न्यायालय के आदेश के बाद आरोपी और उसके परिवार के नाम दर्ज संपत्तियों को जब्त करने की कार्रवाई की गई।

जब्त संपत्तियों में उरला मुख्य मार्ग स्थित लगभग एक करोड़ रुपये मूल्य का मकान, आरोपी की पत्नी के नाम ग्राम अछौली में दर्ज करीब 914 वर्गमीटर भूमि, एक दोपहिया वाहन तथा आरोपी के बैंक खाते में जमा 30.67 लाख रुपये की राशि शामिल है। कुल मिलाकर 2 करोड़ 32 लाख 11 हजार रुपये की संपत्ति पर कार्रवाई की गई है।

पुलिस का कहना है कि अवैध मादक पदार्थों के कारोबार से अर्जित संपत्तियों के खिलाफ आगे भी इसी तरह की कार्रवाई जारी रहेगी। उद्देश्य केवल तस्करों की गिरफ्तारी ही नहीं, बल्कि उनके अवैध आर्थिक नेटवर्क को भी पूरी तरह ध्वस्त करना है।

ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर 20.70 लाख की साइबर ठगी

श्रीकंचनपथ न्यूज

गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही। भारत सरकार के उपक्रम IRCON इंटरनेशनल लिमिटेड में कार्यरत सीनियर रेलवे मैनेजर कुंदन कुमार से साइबर ठगों ने शेयर बाजार में निवेश पर भारी मुनाफे का झांसा देकर 20 लाख 70 हजार रुपये की ठगी कर ली। पीड़ित की शिकायत पर गौरेला थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस को दिए आवेदन के अनुसार, कुंदन कुमार मूल रूप से पटना (बिहार) के निवासी हैं और वर्तमान में डुमरिहा, गौरेला में रहकर गेवरारोड से पेण्ड्रारोड नई रेल लाइन परियोजना में प्रबंधक के रूप में कार्यरत हैं। उन्होंने बताया कि 23 अप्रैल 2025 को उनकी पहचान ऑनलाइन ट्रेडिंग से जुड़े लोगों से हुई। आरोपियों ने उन्हें मानसा केपिटल नामक ट्रेडिंग ऐप डाउनलोड कर शेयर बाजार में निवेश करने की सलाह दी। साथ ही कम समय में कई गुना मुनाफा मिलने का भरोसा दिलाया। ठगों के झांसे

में आकर उन्होंने अलग-अलग किस्तों में कुल 20.70 लाख रुपये निवेश कर दिए। कुछ समय बाद ऐप पर उनके खाते में करीब 80 लाख रुपये की राशि दिखाई देने लगी। जब उन्होंने इस रकम को निकालने का प्रयास किया तो ठगों ने टैक्स, प्रोसेसिंग फीस और अन्य शुल्क के नाम पर बहाने बनाना शुरू कर दिया।

शक होने पर कुंदन कुमार ने संबंधित मोबाइल नंबरों पर संपर्क किया, लेकिन सभी नंबर बंद मिले। इसके बाद उन्हें एहसास हुआ कि वे साइबर ठगी का शिकार हो चुके हैं। उन्होंने तत्काल गौरेला थाना पहुंचकर लिखित शिकायत दर्ज कराई। गौरेला पुलिस ने कुंदन कुमार की शिकायत पर तीन लोगों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट की है। जिसमें जय कुमार वर्मा, अनवी, आरती सिंह के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। साइबर पुलिस बैंक खातों, मोबाइल नंबरों और डिजिटल लेन-देन की जानकारी जुटा रही है, ताकि ठगी में शामिल आरोपियों तक पहुंचा जा सके।

नारायणपुर में नक्सलियों का बड़ा हथियार डंप ध्वस्त

जंगल से 24 लाख कैश भी मिला, हथियार, गोला-बारूद और संचार उपकरण भी मिले

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। नारायणपुर जिले में नक्सल विरोधी अभियान के दौरान पुलिस और सुरक्षा बलों को 2 अलग-अलग सर्च ऑपरेशन में बड़ी सफलता मिली है। ओरछा थाना क्षेत्र के टेकला जंगल-पहाड़ी से नक्सलियों का हथियार डंप बरामद किया गया, जबकि छोटेडोंगर थाना क्षेत्र के तोयामेटा जंगल-पहाड़ी से 24 लाख रुपए कैश मिले हैं।

बरामद सामग्री नक्सलियों के हथियार और आर्थिक नेटवर्क को कमजोर करने की दिशा में अहम कार्रवाई है। सुरक्षा बलों ने ओरछा और छोटेडोंगर थाना क्षेत्रों में अलग-अलग सर्च अभियान चलाया था। टेकला जंगल-पहाड़ी में जंगल में छिपाकर रखा गया हथियार डंप मिला। यहां से रायफल, मैगजीन, जिंदा कारतूस, विस्फोटक सामग्री और संचार उपकरण बरामद किए गए। दूसरी कार्रवाई 25 जून को छोटेडोंगर थाना क्षेत्र के तोयामेटा जंगल-पहाड़ी में हुई। सर्च के दौरान सुरक्षा बलों ने जंगल में छिपाकर रखी गई 24 लाख रुपए नगदी बरामद की।

ये सामान बरामद

- इंसास रायफल - 1
- इंसास मैगजीन - 2
- इंसास के 21 जिंदा राउंड
- एसएलआर रायफल - 2
- एसएलआर मैगजीन - 4
- एसएलआर के 63 जिंदा राउंड
- 303 रायफल - 2
- 303 मैगजीन - 2
- 303 के 65 जिंदा राउंड
- 30-ओसी बंदूक - 2
- 30-ओसी मैगजीन - 9
- 30-ओसी के 36 जिंदा राउंड
- बीजीएल लॉन्चर - 1
- सिंगल शॉट बंदूक - 1
- डेटोनेटर - 3
- बायोफेंग स्कैनर - 2
- 31 बोर के 50 राउंड
- 6.7 एमएम के 28 जिंदा राउंड

रायपुर में धर्म परिवर्तन के लिए दबाव डालने का आरोप, दो आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर के खरोरा थाना क्षेत्र में कथित तौर पर धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाने और धार्मिक भावनाओं को आहत करने के आरोप में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है।

राजधानी रायपुर के खरोरा थाना क्षेत्र में कथित तौर पर धर्म परिवर्तन के लिए दबाव बनाने और धार्मिक भावनाओं को आहत करने के आरोप में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) और छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्र्य अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

पुलिस के अनुसार, ग्राम मांठ निवासी हेमंत सिंह मरावी ने शिकायत दर्ज कराई थी कि सुशांत ज्ञानिक और उसका सहयोगी पीयूष पटेल गांव के आदिवासी मोहल्ले में पहुंचकर हिंदू धर्म और देवी-देवताओं के संबंध में आपत्तिजनक एवं भड़काऊ बातें करते थे। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया कि दोनों ग्रामीणों को हिंदू धर्म छोड़कर ईसाई धर्म अपनाने के लिए प्रेरित करने के साथ उन पर दबाव भी बना रहे थे। शिकायत के आधार पर खरोरा थाना पुलिस ने अपराध क्रमांक 302/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 299, 302, 3(5) तथा छत्तीसगढ़ धर्म स्वातंत्र्य अधिनियम, 1968 की धारा 4 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

विवेचना के दौरान पुलिस ने शिकायतकर्ता सहित अन्य ग्रामीणों के बयान दर्ज किए और साक्ष्यों के आधार पर आरोपी सुशांत ज्ञानिक और पीयूष पटेल को गिरफ्तार कर लिया। दोनों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई करते हुए न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया अपनाई गई। पुलिस का कहना है कि मामले की विवेचना जारी है और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

18 साल से फरार स्थायी वारंटी नागपुर से गिरफ्तार

गरियाबंद। फरार अपराधियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत गरियाबंद पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए वर्ष 2008 से फरार एक स्थायी वारंटी को महाराष्ट्र के नागपुर से गिरफ्तार किया है। आरोपी पिछले 18 वर्षों से अपनी पहचान छिपाकर पुलिस से बचता फिर रहा था। पुलिस अधीक्षक गरियाबंद के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में गठित विशेष टीम को मुखबिर से सूचना मिली थी कि लंबे समय से फरार स्थायी वारंटी नौशाद अली पिता मुर्तुजा अली नागपुर में छिपा हुआ है। सूचना की तस्दीक के बाद पुलिस टीम तत्काल नागपुर रवाना हुई और योजनाबद्ध तरीके से घेराबंदी कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ गरियाबंद के अलावा दुर्ग और राजनांदगांव जिलों में भी आपराधिक मामले दर्ज हैं।

खास खबर

सीएम स्लम स्वास्थ्य : 22 हजार से अधिक मरीजों को घर के पास मिला निःशुल्क उपचार

रायपुर। सूरजपुर जिले की नगर पंचायत जरही में संचालित मुख्यमंत्री स्लम स्वास्थ्य योजना के तहत अब तक 463 स्वास्थ्य शिविरों के माध्यम से 22,495 मरीजों को निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण, उपचार और दवाइयों की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। घर के समीप स्वास्थ्य सेवाएं मिलने से नागरिकों का समय और खर्च दोनों बच रहे हैं, वहीं बीमारियों की समय पर पहचान भी सुनिश्चित हो रही है। इस दौरान 5,635 लैब जांचें की गईं तथा 19,395 मरीजों को निःशुल्क दवाइयां दी गईं। शिविरों में रक्तचाप-शुगर जांच, परामर्श और दवाइयों का वितरण किया जा रहा है। नागरिकों को समय पर उपचार मिल रहा है, जिससे गंभीर बीमारियों की रोकथाम और स्वास्थ्य जागरूकता को भी बढ़ावा मिल रहा है।

मुख्यमंत्री आईटी फेलोशिप आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ी

रायपुर। मुख्यमंत्री आईटी फेलोशिप 2026 के अंतर्गत एम.टेक. (डाटा साइंस एवं आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर 7 जुलाई 2026 कर दी गई है। पूर्व में आवेदन की अंतिम तिथि 1 जुलाई निर्धारित थी। यह कार्यक्रम नवा रायपुर स्थित IIIT-NR में संचालित किया जाएगा। चयनित विद्यार्थियों को प्रतिमाह 50,000 की फेलोशिप प्रदान की जाएगी। छत्तीसगढ़ के मूल निवासी आवेदन कर सकते हैं। विस्तृत जानकारी एवं आवेदन प्रक्रिया के लिए IIIT-NR की वेबसाइट पर उपलब्ध विवरण का अवलोकन किया जा सकता है। दूरभाष क्रमांक 0771-2474048 एवं 0771-2474182 पर संपर्क किया जा सकता है।

रायपुर की ऐतिहासिक कचहरी बनी शिक्षा और संस्कृति का नया केन्द्र, प्रतिदिन 1000 युवा ले रहे लाभ

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। जिला मुख्यालय कांकेर स्थित ऐतिहासिक पुराना कचहरी परिसर में शिक्षा, संस्कृति और युवाओं के उज्ज्वल भविष्य का सशक्त केंद्र बनकर उभर रहा है। जिला प्रशासन द्वारा संचालित सेंट्रल लाइब्रेरी-सह-मावा मोदोल विद्यार्थियों और युवाओं के लिए प्रेरणा का केंद्र बन चुका है। यहां अध्ययनरत छात्र-छात्राएं न केवल प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं, बल्कि अपने सपनों को साकार करने की दिशा में भी मजबूती से कदम बढ़ा रहे हैं।

'हमर लक्ष्य' के अंतर्गत विकसित यह केंद्र आज शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षा मार्गदर्शन, भाषा संरक्षण और सांस्कृतिक संवर्धन का उत्कृष्ट उदाहरण बन चुका है।

सेंट्रल लाइब्रेरी-सह-मावा मोदोल के नोडल अधिकारी एवं जिला मिशन समन्वयक नवनीत पटेल ने बताया कि वर्तमान में प्रतिदिन लगभग एक हजार विद्यार्थी इस अध्ययन केंद्र का

लाभ ले रहे हैं। निरीक्षक भर्ती परीक्षा की तैयारी के लिए मैराथन क्लासेस आयोजित की जा रही हैं, जिनका लाभ अभ्यर्थी उठा रहे हैं।

जिला शिक्षा अधिकारी रमेश कुमार निषाद के मार्गदर्शन में इस अध्ययन केंद्र को और अधिक विकसित करने की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है। यहां उपलब्ध सुविधाओं और विशेषज्ञ मार्गदर्शन का सकारात्मक परिणाम है कि अब तक इस केंद्र से अध्ययन कर चुके 89 युवाओं ने विभिन्न शासकीय पदों पर सफलता प्राप्त की है। यह उपलब्धि इस केंद्र की उपयोगिता और प्रभावशीलता को प्रमाणित करती है।

पुराना कचहरी परिसर केवल शिक्षा का केंद्र ही नहीं, बल्कि आदिवासी संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण का भी महत्वपूर्ण माध्यम बन गया है। परिसर में स्थापित कोयाबाना आदिवासी संग्रहालय स्थानीय जनजातीय संस्कृति, परंपराओं, जीवन-शैली और इतिहास को संरक्षित करने का कार्य कर रहा है।

छत्तीसगढ़ के विकास को मिलेगी गति

अधोसंरचना विकास में भी योगदान करेगा गृह निर्माण मंडल, लोगो का किया विमोचन

- लकी ड्रा के विजेताओं को कार, स्कूटी, फ्रिज, वॉशिंग मशीन सहित अन्य पुरस्कार का किया वितरण
- दो वर्षों में 07 हजार से अधिक परिसंपत्तियों के विक्रय से मिला 1500 करोड़ रुपये का राजस्व

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शुक्रवार को नया रायपुर स्थित सर्किट हाउस में छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल के नवीन लोगो का विमोचन किया। इस अवसर पर वर्ष 2025 के आवास मेले में आवास बुक करने वाले हितग्राहियों को लकी ड्रा के माध्यम से कार, स्कूटी, फ्रिज, वॉशिंग मशीन, एलईडी टीवी सहित विभिन्न पुरस्कार वितरित किए गए। साथ ही उन्होंने छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल का नया लोगो तैयार करने वाले श्री अंशुल कश्यप को शुभकामनाएं दी और प्रतियोगिता की पुरस्कार राशि ढाई लाख रुपए का चेक सौंपा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर कहा कि प्रत्येक परिवार का अपना पक्का घर होने का सपना होता है और राज्य सरकार इस सपने को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि पूर्व में केवल गृह निर्माण तक सीमित रहा मंडल अब अधोसंरचना विकास के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा, जिससे प्रदेश के विकास को नई गति मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले दो वर्षों में मंडल ने उल्लेखनीय प्रगति की है और आर्थिक चुनौतियों से उबरते हुए मंडल ने लगभग 7,388 संपत्तियों का विक्रय कर 1,532 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित किया है। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए आवास एवं पर्यावरण विभाग, मंडल के अध्यक्ष तथा पूरी टीम को बधाई दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने अपने सभी संकल्पों और वायदों को तेजी से पूरा किया है। प्रदेश में गरीब और जरूरतमंद साढ़े दस लाख से अधिक परिवार के आवास पूर्ण हो चुके हैं तथा प्रतिदिन लगभग 1,600 नए आवास तैयार किए जा रहे हैं। आत्मसमर्पित नक्सलियों के पुनर्वास के लिए केंद्र सरकार से 15 हजार अतिरिक्त प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत कराए गए हैं तथा विशेष पिछड़ी जनजातियों के लिए भी विशेष आवास योजना संचालित की जा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 'सेवा सेतु' के माध्यम से 450 से अधिक शासकीय सेवाएं अब मोबाइल ऐप के जरिए घर बैठे उपलब्ध हैं। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 से नागरिक समयबद्ध समाधान प्राप्त कर सकते हैं। लगभग 65 हजार घरों में रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं। मुख्यमंत्री बिजली बिल भुगतान समाधान योजना से लंबित बिलों की संख्या कम हुई है।

आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में विभाग में व्यापक प्रशासनिक सुधार लागू किए गए हैं। गृह निर्माण मंडल को अधोसंरचना विकास मंडल के रूप में नई पहचान देकर प्रदेश के पूंजीगत व्यय और विकास कार्यों में इसकी भूमिका का विस्तार किया गया है। मंत्री ने कहा कि पूंजीगत व्यय करने वाले विभागों को वित्तीय और मानव संसाधन के माध्यम से सक्षम बनाने का काम किया है ताकि प्रदेश में आर्थिक गतिविधियां तेजी से आगे बढ़ सके। उन्होंने कहा कि अब किसी भी नई आवासीय परियोजना का निर्माण तभी प्रारंभ होगा जब पर्याप्त बुकिंग सुनिश्चित हो जाएगी।

सड़क पर दौड़ाया आयरन केज व्हील ट्रैक्टर तो होगी कार्रवाई

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। राज्य सरकार सड़क सुरक्षा और मोटर वाहन नियमों के प्रभावी पालन के लिए लगातार कदम उठा रही है। परिवहन विभाग ने रबर टायर के बिना दोहरे लोहे के पिंजरे (आयरन केजव्हील) वाले ट्रैक्टरों के सड़कों पर संचालन पर सख्ती बरतने के निर्देश जारी किए हैं।

परिवहन विभाग ने सभी क्षेत्रीय परिवहन अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि ऐसे ट्रैक्टरों के सड़क पर संचालन पर तत्काल रोक लगाई जाए। साथ ही नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

परिवहन विभाग ने स्पष्ट किया है कि ट्रैक्टरों में लगाए जाने वाले आयरन केजव्हील केवल कृषि कार्य और खेतों में उपयोग के लिए बनाए गए हैं। इन्हें रबर टायर के स्थान पर डामर, सीमेंट की सड़कों तथा राष्ट्रीय राजमार्गों पर चलाना मोटर वाहन अधिनियम के विपरीत है। लोक निर्माण विभाग के अनुसार ऐसे ट्रैक्टरों के सड़क पर चलने से डामर और सीमेंट की सड़कें क्षतिग्रस्त हो रही हैं। साथ ही दुर्घटनाओं की आशंका भी बढ़ जाती है।

जिला प्रशासन के सहयोग से ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष जनजागरूकता अभियान चलाकर किसानों और वाहन चालकों को मोटर वाहन नियमों तथा आयरन केजव्हील के सुरक्षित एवं निर्धारित उपयोग की जानकारी दी जाएगी।

परिवहन विभाग ने स्थानीय समाचार पत्रों, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से भी व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए हैं। साथ ही विशेष अभियान चलाकर नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। इसका उद्देश्य सड़क सुरक्षा, सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा तथा मोटर वाहन नियमों का पालन है।

गृहमंत्री ने बस्तर के विकास में मांगा सबका सहयोग

सर्व आदिवासी समाज प्रमुखों की बैठक में सामाजिक सशक्तिकरण, पेसा क्रियान्वयन और देवस्थलों के संरक्षण पर हुई चर्चा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा द्वारा शुक्रवार को जिला पंचायत कांकेर सभाकक्ष में सर्व आदिवासी समाज प्रमुखों की बैठक लेकर बस्तर के नक्सल उन्मूलन के बाद चहुंमुखी विकास, सामाजिक एकता तथा आदिवासियों की पारंपरिक संस्कृति और विरासत को सहेजने, संरक्षित करने पर चर्चा की। जिसमें जिले में पेसा एक्ट का समुचित क्रियान्वयन और पारंपरिक देव स्थलों को संरक्षित करने जैसे विषयों पर द्विपक्षीय सकारात्मक चर्चा हुई। इस दौरान समाज प्रमुखों ने भी बारी बारी से सुझाव दिए।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि किसी समाज की परंपरा और सांस्कृतिक धरोहरों व पहचान को अक्षुण्ण बनाए रखने में समाज की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। बड़े लक्ष्य को हासिल करना समाज के सहयोग से ही संभव है।

उन्होंने आगे कहा कि लोकतंत्र की मुख्यधारा से टूट कर हिंसा का मार्ग अपनाने वाले युवाओं को वापस मुख्यधारा में लेकर आने में समाज प्रमुखों ने सराहनीय कार्य किया, जिसमें सुरक्षा बलों और जवानों का सतत् सहयोग मिला, जिसके फलस्वरूप आज बस्तर का लाल आतंक से मुक्त होना संभव हुआ। अब बस्तर को विकास की दौड़ में आगे ले जाना है।

उप मुख्यमंत्री ने बताया कि वर्षों से बंद मेला-मड़ई, बाजार, हाट अब आबाद होने लगे हैं। पहले जहां रिश्तेदार भी घर आने में डरते थे वे भी बेखौफ आने जाने लगे हैं।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया है कि बस्तर का विकास बस्तर के युवाओं और लोगों के द्वारा ही किया जाएगा। इसके लिए स्थानीय संसाधनों का प्रयोग कर ही ग्रामों का विकास किया जाएगा। शुरुआत के रूप में सुरक्षा कैम्पों को सुविधा केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके लिए राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान द्वारा स्थानीय संसाधनों से ही विकसित किया जाएगा।

197 गांवों के देव स्थलों का राजस्व रिकॉर्ड

श्री शर्मा ने बताया कि देव स्थलों को संरक्षित करने के लिए 197 गांवों के देव स्थलों का राजस्व रिकॉर्ड में चिन्हांकन कर उसे स्थायी पंजीयन की व्यवस्था की जा रही है। पेसा एक्ट को और भी सशक्त करने का कार्य किया गया है। पहली बार सरकार ने गांव गांव में स्थानीय युवाओं को प्रशिक्षित कर पेसा मोबिलाइजर, कोऑर्डिनेटर रखने का कार्य किया जा रहा है।

भटके हुए युवाओं के लिए जेल में की गई व्यवस्था

गृहमंत्री ने कहा कि हमने हर युवा को मुख्यधारा में लाने के लिए जेल से भी पुनर्वास की व्यवस्था की है। इसके लिए समाज को भी प्रेरित करने की आवश्यकता है। अब पुनर्वासित युवा खुद भी जेल में जाकर भटके युवाओं को मुख्यधारा में लाने के लिए प्रेरित करने का कार्य कर रहे हैं।

श्रमिकों के बच्चों को निजी आवासीय विद्यालयों में निःशुल्क प्रवेश

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के श्रम विभाग द्वारा संचालित अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के मेधावी बच्चों के लिए सुनहरा अवसर लेकर आई है। योजना के तहत श्रमिक परिवारों के बच्चों को देश एवं प्रदेश के प्रतिष्ठित निजी आवासीय विद्यालयों में कक्षा 6वीं से 12वीं तक निःशुल्क गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जाएगी। ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 03 जुलाई है। योजना का लाभ उन श्रमिक परिवारों के बच्चों को मिलेगा, जिनके माता-पिता छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल में पंजीकृत एवं सक्रिय सदस्य हैं। चयनित विद्यार्थियों को सीबीएसई अथवा आईसीएसई पाठ्यक्रम संचालित प्रतिष्ठित निजी आवासीय विद्यालयों में अध्ययन का अवसर मिलेगा। चयनित बच्चों की शिक्षा, आवास, भोजन, गणवेश, पुस्तकें एवं अन्य आवश्यक शैक्षणिक सामग्री का संपूर्ण खर्च श्रम विभाग द्वारा वहन किया जाएगा।

महिला बाल विकास मंत्री राजवाड़े पहुंची माता-बच्चों के बीच, साथ पढ़ी एबीसीडी

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। महिला एवं बाल विकास एवं समाज कल्याण मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने शुक्रवार को सुकमा जिले के एक दिवसीय प्रवास के दौरान विभिन्न विभागीय संस्थानों का निरीक्षण कर जमीनी स्तर पर संचालित योजनाओं और व्यवस्थाओं की समीक्षा की। उन्होंने बच्चों के पोषण, शिक्षा, महिला स्वावलंबन और आत्मसमर्पित युवाओं के पुनर्वास को राज्य सरकार की प्राथमिकता बताते हुए संबंधित अधिकारियों को योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

दौरे की शुरुआत आंगनबाड़ी केंद्र रोकेल और पोषण पुनर्वास

केंद्र (एनआरसी) से हुई। मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने बच्चों के बीच फर्श पर बैठकर उनसे आत्मीय संवाद किया। उन्होंने बच्चों से एबीसीडी और पहाड़े सुने, उनकी पढ़ाई, स्वास्थ्य और दैनिक गतिविधियों की जानकारी ली तथा उन्हें फ्लू और चॉकलेट वितरित कर उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर उन्होंने परिसर में पौधारोपण भी किया और निर्देश दिए कि प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, पोषण और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। एनआरसी में उन्होंने कुपोषित बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण भोजन एवं बेहतर देखभाल सुनिश्चित करने तथा अधिक से अधिक जरूरतमंद बच्चों को केंद्र तक लाने पर विशेष जोर दिया।

इसके बाद मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कुम्हाररास स्थित इमली प्रसंस्करण केंद्र का निरीक्षण किया। कलेक्टर श्री अमित कुमार ने उन्हें केंद्र की गतिविधियों की जानकारी देते हुए बताया कि यहां स्व-सहायता समूहों की लगभग 60 महिलाओं को रोजगार उपलब्ध कराया गया है और इमली से विभिन्न मूल्यवर्धित उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं। मंत्री ने महिलाओं के कार्यों की सराहना करते हुए इसे ग्रामीण आजीविका और महिला सशक्तिकरण का प्रभावी मॉडल बताया तथा उत्पादन एवं विपणन को और मजबूत करने पर बल दिया।

अपने प्रवास के दौरान मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े नक्सल पुनर्वास केंद्र पहुंचीं, जहां उन्होंने आत्मसमर्पित युवाओं से संवाद कर उनके रहने, भोजन और प्रशिक्षण संबंधी व्यवस्थाओं की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार आत्मसमर्पित युवाओं को सम्मानजनक जीवन और आत्मनिर्भर भविष्य उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। इस दौरान उन्होंने 36 प्रशिक्षणार्थियों को वेलकम किट वितरित की और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जुड़कर नए जीवन की शुरुआत करने के लिए प्रेरित किया।

दौरे के दौरान कलेक्टर अमित कुमार, पुलिस अधीक्षक किरण चव्हाण, जिला पंचायत सीईओ मुकुंद ठाकुर सहित विभागीय अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में मंत्री ने स्पष्ट किया कि शासन की योजनाओं का उद्देश्य अंतिम व्यक्ति तक गुणवत्तापूर्ण सेवाएं पहुंचाना है। उन्होंने अधिकारियों को संवेदनशीलता, पारदर्शिता और सतत निगरानी के साथ योजनाओं का क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

सोमनाथ स्वाभिमान सांस्कृतिक यात्रा दल लौटा, रेलवे स्टेशन पर 1040 विशिष्टजनों का हुआ भव्य स्वागत

आस्था और राष्ट्रीय एकात्मता का अनूठा अभियान सफल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। भारतीय संस्कृति, राष्ट्रीय स्वाभिमान और आध्यात्मिक चेतना को नई ऊर्जा देने वाली छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी 'सोमनाथ स्वाभिमान सांस्कृतिक यात्रा' सफलता के साथ संपन्न हुई। पांच दिवसीय इस ऐतिहासिक यात्रा के बाद प्रदेश के सभी जिलों से शामिल 1040 विशिष्टजन सकुशल रायपुर लौटे, जहां रायपुर रेलवे स्टेशन पर उनका आत्मीय, गरिमामय एवं भव्य स्वागत किया गया। यात्रियों के चेहरों पर संतोष, श्रद्धा और आत्मिक आनंद की झलक इस अभिनव यात्रा की सफलता का सबसे बड़ा प्रमाण बनी।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में आयोजित इस विशेष सांस्कृतिक यात्रा ने केवल श्रद्धालुओं को भारत के प्रथम ज्योतिर्लिंग भगवान सोमनाथ के दर्शन का अवसर ही नहीं दिया, बल्कि उन्हें देश की गौरवशाली सांस्कृतिक विरासत, आध्यात्मिक परंपरा और राष्ट्रीय एकात्मता का भी जीवंत अनुभव कराया।

इस यात्रा में प्रदेश के पद्मश्री सम्मान प्राप्त विभूतियों, राष्ट्रीय एवं राज्य सम्मान से सम्मानित कलाकारों, साहित्यकारों, संस्कृति कर्मियों, समाजसेवियों तथा अन्य विशिष्टजनों ने सहभागिता की। इससे छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक संस्कृति, कला, साहित्य और सांस्कृतिक विरासत को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान मिली।

संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल के मार्गदर्शन तथा संस्कृति विभाग छत्तीसगढ़ के सुव्यवस्थित प्रबंधन में आयोजित इस यात्रा की देशभर में सराहना हुई। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के सहयोग, गुजरात राज्य सरकार के समन्वय तथा सोमनाथ मंदिर ट्रस्ट के ग से यात्रा का प्रत्येक चरण अत्यंत सुव्यवस्थित, सुरक्षित और गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ।

यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान सोमनाथ के दिव्य दर्शन-पूजन के साथ मंदिर की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत का अवलोकन किया। अनेक प्रतिभागियों ने अपने क्षेत्रों की पावन मिट्टी और नदियों का जल भगवान सोमनाथ को अर्पित कर छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक पहचान को राष्ट्रीय एकता के सूत्र से जोड़ने का संदेश दिया। श्रद्धालुओं ने सोमनाथ मंदिर के गौरवशाली इतिहास पर आकर्षक लाइट एंड साउंड शो का भी आनंद लिया।

राजभाषा विभाग के संचालक डॉ. संजय कन्नौजे ने स्वयं प्रत्येक यात्री की सुविधा का विशेष ध्यान रखा। यात्रा से लौटे प्रतिभागियों ने इसे अपने जीवन का अविस्मरणीय अनुभव बताते हुए कहा कि वर्षों से संजोई गई सोमनाथ दर्शन की उनकी इच्छा शासन की इस निःशुल्क और सुव्यवस्थित पहल से पूरी हो सकी। उन्होंने कहा कि भगवान सोमनाथ के दिव्य दर्शन, आध्यात्मिक वातावरण, ऐतिहासिक लाइट एंड साउंड शो तथा उत्कृष्ट यात्रा प्रबंधन ने उन्हें भारतीय संस्कृति के प्रति नया गर्व प्रदान किया।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950